घटती घटना

सत्य के साथ...जनहित में बात...

www.ghatatighatana.com **अम्बिकापुर,वर्ष 22, अंक - 146- रविवार 29- मार्च 2026,पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये** RNI Reg.No.- CHHHIN/2004/15050,डाक पंजीयन. क्रं. 13/Surguja DN/ 2026-2028

उत्तराखंड भाजपा के पूर्व विधायकों समेत छह नेता कांग्रेस में शामिल

नई दिल्ली,28 मार्च 2026। उत्तराखण्ड भारतीय जानता पार्टी के दो पूर्व विधायक समेत छह नेता शनिवार को कांग्रेस में शामिल हो गए। पार्टी में शामिल होने वालों में राज कुमार ठुकराल (रुद्रपुर से दो बार विधायक),नारायण पाल (दो बार विधायक),भीमलाल आर्य (घनसाली से पूर्व विधायक),गौरव गोयल (रुड़की के पूर्व मेयर), अनुज गुप्ता (मसूरी के पूर्व चेयरमैन) और लाखन सिंह नेगी शामिल हैं। इन सभी नेताओं को यहां कांग्रेस मुख्यालय में पूर्व केंद्रीय मंत्री और कांग्रेस महासचिव कुमारी शैलजा,आईसीसी महासचिव गुरदीप सिंह सप्पल तथा उत्तराखंड कांग्रेस अध्यक्ष गणेश गोदियाल ने पार्टी में शामिल कराया। शैलजा ने कहा कि उत्तराखंड में भाजपा सरकार को लेकर लोगों में असंतोष है। उन्होंने कहा कि राज्य में भ्रष्टाचार के कई मामले सामने आए हैं,जिनका खुलासा कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं ने समय-समय पर किया है। हाल के प्रदर्शनों में आम जनता का समर्थन मिला है और सरकार दबाव में है। उन्होंने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को लेकर कहा कि उनकी छवि सुधारने के प्रयास किए गए, लेकिन वास्तविक स्थिति अब जनता के सामने है। राज्य में कांग्रेस के प्रति विश्वास बढ़ रहा है और इसके परिणाम आने वाले समय में दिखाई देंगे। गणेश गोदियाल ने कहा कि उत्तराखंड के लोग कांग्रेस की ओर उम्मीद से देख रहे हैं और बड़ी संख्या में लोग पार्टी में शामिल होना चाहते हैं। उन्होंने नए साथियों का स्वागत करते हुए कहा कि सभी ने संगठन को मजबूत करने का संकल्प लिया है। गोदियाल ने कहा कि सभी कार्यकर्ता कांग्रेस की विचारधारा को आगे बढ़ाने के लिए काम करेंगे और वर्ष 2027 में राज्य में कांग्रेस की सरकार बनाने के लक्ष्य के साथ आगे बढ़ेंगे।

भाजपा को फायदा पहुंचाने के लिए चुनाव आयोग कर रहा है अधिकारियों का तबादला : ममता

कोलकाता,28 मार्च 2026। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने शनिवार को भारतीय जनता पार्टी और निर्वाचन आयोग पर तीखा हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य में वरिष्ठ प्रशासनिक और पुलिस अधिकारियों के तबादले चुनाव को प्रभावित करने की साजिश का हिस्सा हैं। उन्होंने कहा कि यह कदम भाजपा को विधानसभा चुनाव में फायदा पहुंचाने के उद्देश्य से उठाया गया है। पश्चिम बर्धमान जिले के रानीगंज में एक जनसभा को संबोधित करते हुए ममता बनर्जी ने कहा कि भाजपा अब सभी सीमाएं पार कर चुकी है और राजनीति में एक मर्यादा रेखा होनी चाहिए, जिसे पार नहीं किया जाना चाहिए। मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि बड़ी संख्या में अधिकारियों का तबादला कर उन्हें दूसरे राज्यों में भेज दिया गया, जबकि जो अधिकारी स्थानीय परिस्थितियों को अच्छी तरह समझते थे,उन्हें हटाकर प्रशासन को कमजोर किया गया। उन्होंने कहा कि यह सब राज्य में बाहरी प्रभाव बढ़ाने और चुनाव के दौरान हालात को प्रभावित करने के लिए किया गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि मतदाता सूची से नाम हटाने के नाम पर भी गड़बड़ी की जा रही है और लोकतांत्रिक प्रक्रिया को प्रभावित करने की कोशिश हो रही है। ममता बनर्जी ने मुर्शिदाबाद जिले के रघुनाथगंज में राम नवमी शोभायात्रा के दौरान हुई हिंसा का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि इस समय प्रशासन उनके नियंत्रण में नहीं है क्योंकि चुनाव प्रक्रिया के दौरान प्रशासनिक व्यवस्था चुनाव कराने वाली संस्था के अधीन रहती है। उन्होंने कहा कि रघुनाथगंज में दुकानों में लूटपाट और संपत्तियों को नुकसान पहुंचाने की घटनाएं हुई।

'मैं और मेरा' की भावना ही युद्धों का मूल कारण : मोहन भागवत

बेलगावी,28 मार्च 2026 । राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत ने कहा कि दुनिया में होने वाले अधिकांश युद्धों की जड़ 'मैं और मेरा' की भावना है। उन्होंने यह बात कर्नाटक के बेलगावी जिले के चिक्कोडी तालुका के यड़ूर गांव में आयोजित एक युवा सम्मेलन को संबोधित करते हुए कही। इस दौरान मोहन भागवत ने वैश्विक हालात पर चिंता जताते हुए कहा कि ईरान-इजराइल संघर्ष लंबे समय तक चल सकता है। उन्होंने कहा कि यह संघर्ष रूस-यूक्रेन युद्ध जितना पुराना नहीं है, लेकिन इसके दीर्घकालिक होने के संकेत दिखाई दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि विश्व की समस्याओं का समाधान 'मानव धर्म' और हिंदू धर्म के मूल्यों में निहित है। भारत सभी देशों के साथ मैत्रीपूर्ण संबंध स्थापित करने की दिशा में कार्य कर रहा है और वैश्विक शांति का संदेश दे रहा है। हिंदू समाज की विविधता पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा कि पूजा-पद्धति, खान-पान और परंपराओं में भिन्नता होने के बावजूद समाज प्राचीन काल से एकजुट रहा है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि हिंदू समाज में किसी को जबरन धर्म परिवर्तन कराने की कोई परंपरा नहीं रही है। कार्यक्रम का आयोजन यड़ूर स्थित श्री काडदेवर मठ में किया गया, जहां श्रीशैल जगदुरु चन्नरामसिद्ध श्री के नेतृत्व में गौ-तुलाभार संपन्न हुआ। इस अवसर पर मोहन भागवत ने गौ-पूजा कर गायों को चारा भी खिलाया।

प्रधानमंत्री ने सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस से की बातचीत,पश्चिम एशिया की स्थिति पर चर्चा

नई दिल्ली,28 मार्च 2026। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस और प्रधानमंत्री मोहम्मद बिन सलमान से बातचीत कर पश्चिम एशिया में जारी तनावपूर्ण स्थिति पर चर्चा की। प्रधानमंत्री के सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स के मुताबिक बातचीत के दौरान दोनों नेताओं ने क्षेत्रीय ऊर्जा अवसंरचना पर हो रहे हमलों को लेकर चिंता व्यक्त की। उन्होंने ऐसे हमलों की भारत की ओर से कड़ी निंदा दोहराई। मोदी ने बताया कि बातचीत के दौरान दोनों पक्षों ने समुद्री मार्गों की सुरक्षा और नौवहन की स्वतंत्रता सुनिश्चित करने की आवश्यकता पर सहमति जताई,ताकि वैश्विक व्यापार और आपूर्ति शृंखला बाधित न हो। प्रधानमंत्री ने सऊदी अरब में रह रहे भारतीय समुदाय के कल्याण के लिए क्राउन प्रिंस के निरंतर सहयोग के प्रति आभार भी व्यक्त किया।

प्रधानमंत्री मोदी ने देश के सबसे बड़े एयरपोर्ट का उद्घाटन किया

युद्ध के संकट से देश को एकजुट होकर लड़ना है : पीएम मोदी

नोएडा,28 मार्च 2026। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को यूपी के जेवर में नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के फेज-1 का उद्घाटन किया। यह अभी देश का सबसे बड़ा और एशिया का दूसरा सबसे बड़ा एयरपोर्ट है। 4 फेज पूरे होने पर एशिया का सबसे बड़ा एयरपोर्ट हो जाएगा। पीएम ने जनसभा को संबोधित करते हुए लोगों से इजराइल-अमेरिका और ईरान की जंग से उपजे संकट से एकजुट होकर लड़ने की अपील की। उन्होंने कहा- सभी राज्यों के सीएम से चर्चा हुई। देशवासियों से कहूंगा कि धैर्य और एकजुटता के साथ इस संकट का सामना करें। ये पूरी दुनिया को परेशान करने वाला संकट है। प्रधानमंत्री ने कहा- देश के राजनीतिक दलों से कहना चाहता हूं कि संकट की घड़ी में ऐसी बातें करने से बचें,जो देश के लिए नुकसानदायक हैं। देश को नुकसान पहुंचाने वाली हरकतों को जनता कभी माफ नहीं करेगी। एयरपोर्ट के पहले फेज का काम पूरा हो गया है। इसमें करीब 3300 एकड़ जमीन पर टर्मिनल और रनवे बनाए गए हैं। यह टर्मिनल हर साल लगभग 1.2 करोड़ यात्रियों को संभाल सकेगा। इस पूरे प्रोजेक्ट पर करीब 11 हजार करोड़ रुपए खर्च हुए हैं। पीएम मोदी ने कहा कि देश के सभी राजनीतिक दलों से आग्रहपूर्वक कहना चाहता हूं कि इस प्रकार के संकट में ऐसी बातें करने से बचें,जो देश के लिए नुकसानदायक हैं। उन्होंने कहा कि जो भारतीयों के हक में है, हित में है, वहीं भारत सरकार की नीति और रणनीति है। राजनीति के लिए गलत बयानबाजी करने के लिए राजनीतिक बहस में कुछ नंबर तो पा लेंगे,लेकिन देश को नुकसान पहुंचाने वाली हरकतों को देश की जनता कभी माफ नहीं करेगी। उन्होंने कहा कि कोरोना काल में भी कुछ लोगों ने गुमराह किया, झूठ बोले,लेकिन जनता ने चुनावों के दौरान ऐसी राजनीति को नकार दिया। ठुकरा दिया। मुझे भरोसा है कि देश के राजनीतिक दल इससे सबक सीखेंगे और एकजुट प्रयासों को बल देंगे,ताकत देंगे।

पश्चिम एशिया में युद्ध की वजह से दुनिया के सामने संकट खड़ा हुआ : पीएम मोदी

पश्चिम एशिया में युद्ध चल रहा है। इसके चलते कई देशों में संकट पैदा हो गया है। भारत बड़ी मात्रा में कच्चा तेल और गैस युद्ध-प्रभावित क्षेत्रों से मंगाता है। इसलिए सरकार हर वह कदम उठा रही है, जिससे सामान्य परिवारों और किसानों पर बोझ न पड़े। 140 करोड़ देशवासी इस मुसीबत का एकजुट होकर सामना करें।

नोएडा को पहले अंधविश्वास की वजह से अपने हाल पर छोड़ दिया गया था : पीएम मोदी

नोएडा को पहले अंधविश्वास के कारण अपने हाल पर छोड़ दिया गया था। कुर्सी जाने के डर से पहले के सताधारी यहां आने से डरते थे। जब यहां सपा सरकार थी और मैंने नोएडा आने का कार्यक्रम बनाया। तब पुराने मुख्यमंत्री (अखिलेश) इतने डरे हुए थे कि वे कार्यक्रम में आए ही नहीं। मुझे भी डराने की कोशिश की गई, कहा गया- नोएडा मत जाइए। अभी-अभी प्रधानमंत्री बने हैं।

इथेनॉल से कच्चे तेल पर देश की निर्भरता कम हुई,किसानों को फायदा हुआ : मोदी

पीएम ने कहा कि यहां के किसानों का उत्पाद दुनिया के बाजारों में जा सकेगा। आपके गन्ने से इथेनॉल बनाया गया है। उससे कच्चे तेल पर देश की निर्भरता कम हुई है। इथेनॉल का उत्पादन न बढ़ता तो देश को हर वर्ष लगभग 700 करोड़ लीटर कच्चा तेल विदेशों से मंगवाना पड़ता। किसानों के परिश्रम ने देश को संकट के समय में इतनी बड़ी राहत दी है। इथेनॉल से देश के साथ किसानों को फायदा हुआ है। डेढ़ लाख करोड़ की विदेशी मुद्रा बची है। देश के किसानों को ये पैसा मिला है। उन्होंने कहा कि यहां के गन्ना किसानों ने तो पहले के दिन भी देखे हैं, जब कई सालों तक गन्ने का बकाया लटका रहता था। आज भाजपा की डबल इंजन की सरकार के प्रयासों से गन्ना किसानों की स्थिति बेहतर हुई है। पीएम मोदी ने कहा कि साथियों, नोएडा के इस एयरपोर्ट से गाजियाबाद, मेरठ, इटावा, बुलंदशहर, आगरा, मथुरा आदि को बहुत बड़ा लाभ होने वाला है। एयरपोर्ट पश्चिमी यूपी के किसानों छोटे व लघु उद्योगों और नौजवानों के लिए नए अवसर लाने वाला है। यहां से विमान तो उड़ेगा ही, यह एक विकसित यूपी की उड़ान का प्रतीक बनेगा। पश्चिमी यूपी की जनता को इसके लिए बधाई देता हूं।

केंद्र ने हरित बंदरगाह,समुद्री ढांचे के विकास को दी गति,2030 तक कार्बन उत्सर्जन में 30 फीसदी कमी का लक्ष्य

नई दिल्ली,28 मार्च 2026। केंद्र सरकार ने हरित बंदरगाहों और समुद्री ढांचे के विकास के लिए प्रमुख बंदरगाहों पर ग्रीन टग ट्रांजिशन प्रोग्राम (जीटीटीपी) लागू किया है। इसके तहत पारंपरिक डीजल चालित टग्स को इलेक्ट्रिक या हाइब्रिड टग्स में बदला जा रहा है। इसके साथ ही बंदरगाहों पर नवीकरणीय ऊर्जा का उपयोग, उपकरणों और वाहनों का विद्युतीकरण,शून्य-उत्सर्जन ट्रकों की तैनाती और हरित सागर ग्रीन पोर्ट गाइडलाइंस के तहत ऑनशोर पावर सप्लाई सिस्टम की स्थापना की गई है। इन पहलों से प्रमुख बंदरगाहों पर कार्बन उत्सर्जन में उल्लेखनीय कमी आई है। केंद्रीय बंदरगाह, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्री सर्वानंद सोनोवाल ने लोकसभा में लिखित उत्तर में बताया कि दीन दयाल उपाध्याय, जवाहरलाल नेहरू,विशाखापत्तनम और वीओ चिदंबरनार बंदरगाहों को इलेक्ट्रिक टग्स के लिए कार्यादेश जारी किए हैं। वहीं, नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय (एमएनआरई) ने दीनदयाल बंदरगाह (गुजरात),पारादीप पोर्ट (ओडिशा) और वीओ चिदंबरनार पोर्ट (तमिलनाडु) को ग्रीन हाइड्रोजन हब के रूप में मान्यता दी है। इन बंदरगाहों पर ग्रीन हाइड्रोजन और ग्रीन अमोनिया परियोजनाओं के लिए भूमि आवंटन, इलेक्ट्रोलाइज़र आधारित संयंत्रों की स्थापना और ग्रीन मेथनॉल बंकरिंग सुविधाओं का विकास किया जा रहा है।

बंगाल चुनाव 2026...अमित शाह ने कहा-सहानुभूति की राजनीति कर रही हैं ममता,15 साल के शासन पर पेश किया आरोप पत्र

कोलकाता,28 मार्च 2026। पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव से पहले केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को कोलकाता में तृणमूल कांग्रेस सरकार और मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर तीखा हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य में पिछले 15 वर्षों से भय,भ्रष्टाचार और तुष्टीकरण की राजनीति चल रही है और आने वाला चुनाव यह तय करेगा कि बंगाल की जनता भय को चुनेगी या भरोसे को। इसके साथ ही अमित शाह ने तृणमूल कांग्रेस सरकार के खिलाफ एक विस्तृत आरोप पत्र भी जारी किया। उन्होंने कहा कि,यह किसी एक दल का दस्तावेज नहीं बल्कि बंगाल की जनता की आवाज है, जिसे उनकी पार्टी सामने ला रही है। उन्होंने कहा कि यह आरोप पत्र राज्य सरकार के 15 वर्षों के काले कारनामों का संकलन है। अपने संबोधन में अमित शाह ने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर सहानुभूति की राजनीति करने का आरोप लगाते हुए कहा कि वह हमेशा खुद को पीड़ित दिखाने की कोशिश करती हैं। उन्होंने कहा कि कभी चोट लगने का मामला सामने आता है, कभी सिर पर पट्टी बांधकर सहानुभूति लेने की कोशिश होती है, कभी बीमारी का हवाला दिया जाता है और कभी चुनाव कराने वाली संवैधानिक संस्था पर आरोप लगाए जाते हैं।

उन्होंने कहा कि जनता अब इन बातों को समझ चुकी है। उन्होंने कहा कि बंगाल का यह चुनाव केवल सरकार बदलने का चुनाव नहीं बल्कि राज्य को भय के माहौल से मुक्त कराने का चुनाव है। उन्होंने दावा किया कि राज्य में आम लोगों को जान-माल की सुरक्षा को लेकर डर रहता है, संपत्ति लूटे जाने का भय बना रहता है, महिलाओं की सुरक्षा को लेकर चिंता रहती है और युवाओं को अपने भविष्य को लेकर अनिश्चितता का सामना करना पड़ रहा है। अमित शाह ने तृणमूल कांग्रेस सरकार पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि राज्य में संगठित वसूली तंत्र खड़ा कर दिया गया है और भ्रष्टाचार व्यवस्था का हिस्सा बन गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि ऊपर से नीचे तक आपराधिक गिरोह सक्रिय हैं।

शाह बोले...सिर्फ बंगाल में एसआईआर में ज्यूडिशियल अधिकारियों की तैनाती

अमित शाह ने कहा, एसआईआर पूरे देश में हो रहा है, फिर भी कहीं और ज्यूडिशियल अधिकारियों को तैनात नहीं करना पड़ा। सिर्फ बंगाल में करने का क्या कारण है? ममता बनर्जी को बंगाल के लोगों को इसका जवाब देना चाहिए। वह एसआईआर पर आरोप लगा रही हैं लेकिन,आज मैं बंगाल के लोगों से पूछना चाहता हूं, क्या यहां रखे गए घुसपैठियों को बंगाल का भविष्य तय करने देना चाहिए?

केंद्र ने शहरी क्षेत्रों में 50 लाख नए पीएनजी कनेक्शन का लक्ष्य तय किया

एकल खिड़की क्लियरेंस से परियोजनाओं को मिलेगी रफ्तार

नई दिल्ली,28 मार्च 2026। केंद्र सरकार ने शहरी क्षेत्रों में पाइप्ड नेचुरल गैस (पीएनजी) सेवाओं के विस्तार और आवश्यक सेवाओं की निर्बाध आपूर्ति के लिए बैठक आयोजित कर एकल खिड़की क्लियरेंस लागू करने और पाइप लाइन बिछाने एवं काम करने के लिए सड़क तोड़ने की अनुमति को तेजी से मंजूरी देने पर चर्चा की गई। साथ ही इस बैठक में 50 लाख नए पीएनजी कनेक्शन देने का लक्ष्य रखा गया। केंद्रीय आवास एवं शहरी विकास मंत्रालय ने बताया कि यहां विज्ञान भवन में आयोजित गोलमेज बैठक में केंद्रीय शहरी विकास मंत्री मनोहर लाल, पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी और केंद्रीय उपभोक्ता मामले,खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्री प्रह्लाद जोशी मौजूद रहे। तीनों मंत्रालयों के सचिव और वरिष्ठ अधिकारी भी बैठक में उपस्थित थे।

राज्यों की ओर से उत्तर प्रदेश, दिल्ली, महाराष्ट्र, हरियाणा और ओडिशा के शहरी विकास एवं खाद्य मंत्री बैठक में शामिल हुए, जबकि तेलंगाना, कर्नाटक और राजस्थान के मंत्री/प्रतिनिधि वर्चुअल माध्यम से जुड़े। इसके अलावा विभिन्न राज्यों के शहरी विकास विभाग और खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग के सचिव, नगर आयुक्त, जीएआईएल और इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन के सीएमडी,तथा सिटी गैस डिस्ट्रीब्यूशन इकाइयों के प्रतिनिधि भी बैठक में मौजूद थे। मनोहर लाल ने कहा कि पीएनजी सेवाओं का विस्तार शहरी क्षेत्रों में स्वच्छ ईंधन उपलब्ध कराने की दिशा में बड़ा कदम है और इससे नागरिकों को सुरक्षित और सुविधाजनक विकल्प मिलेगा।

केंद्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने कहा कि एकल खिड़की क्लियरेंस लागू होने से परियोजनाओं की गति तेज होगी,सड़क काटने की अनुमति समय पर मिलेगी और उपभोक्ताओं को बिना देरी के कनेक्शन उपलब्ध हो सकेगा।

प्रह्लाद जोशी ने कहा कि 50 लाख नए पीएनजी कनेक्शन देने का लक्ष्य उपभोक्ताओं को सुरक्षित, सस्ता और पर्यावरण-अनुकूल ईंधन उपलब्ध कराने में मदद करेगा और यह ऊर्जा सुरक्षा की दिशा में महत्वपूर्ण योगदान होगा।

तमिलनाडु चुनाव : डीएमके ने जारी की 164 प्रत्याशियों की लिस्ट

गठबंधन में कांग्रेस को मिलीं 28 सीटें

नई दिल्ली,28 मार्च 2026। तमिलनाडु विधानसभा चुनावों को लेकर सियासत अपने चरम पर है। मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने गठबंधन के तहत सीट शेयरिंग का ऐलान कर दिया है। साथ ही डीएमके के हिस्से की 164 सीटों पर प्रत्याशियों के नाम का ऐलान भी हो गया है। डीएमके चीफ ने विधानसभा चुनाव में अपने सहयोगी दलों पर भरोसा जताया है। तमिलनाडु में 234 सीटें हैं। डीएमके ने ऐलान किया है कि 164 सीटों पर वह चुनाव लड़ेगी। इसके अलावा कांग्रेस के हिस्से 28 सीटें आई हैं। खास बात यह भी है कि स्टालिन ने डीएमडीके पर भी भरोसा जताया है कि और उसे 10 सीटें दी हैं। कांग्रेस और डीएमडीके के अलावा डीएमके के अन्य सहयोगियों की बात करें तो वीसीके को 8, सीपीआई और सीपीआई-एम को 5-5 सीटें, जबकि एमडीएमके को 4 सीटें मिली हैं। मुस्लिम मतदाताओं के बीच पैठ रखने वाली पार्टी आईयूएमएल और एमएमके को भी 2-2 सीटें दी गई हैं। वहीं एमजेके और एसडीपीआई को 1-1 सीट दी गई हैं। डीएमके ने प्रत्याशियों की जो लिस्ट जारी की है, उसमें सबसे ज्यादा चर्चा ओ पनीरसेल्वम की हो रही है। AIADMK के कद्दावर नेता रहे पनीरसेल्वम अब डीएमके गठबंधन की ओर से बोडिनायकन्नूर से चुनावी मैदान में उतरेंगे। राजनीतिक विश्लेषकों का अनुमान है कि सीएम स्टालिन ने पनीरसेल्वम को अपने पाले में लाकर दक्षिण तमिलनाडु के 'मुकुलथोर' वोट बैंक में बड़ी सेंध लगाने की कोशिश की है। पनीरसेल्वम का डीएमके में जाना AIADMK के लिए चुनौती भी माना जा रहा है।

ओडिशा के नयागढ़ में पर्यटक बस हादसा

पांच की मौत,40 से अधिक घायल

भुवनेश्वर,28 मार्च 2026। ओडिशा के नयागढ़ जिले में एक दर्दनाक सड़क हादसे में कम से कम पांच लोगों की मौत हो गई, जबकि 40 से अधिक लोग घायल हो गए। यह हादसा दशपल्ला थाना क्षेत्र के टाकेरा के पास हनुमान घाटी में हुआ । मृतकों में बस चालक समेत चार महिलाएं शामिल हैं। पुलिस के अनुसार, निजी पर्यटक बस में करीब 60 यात्री सवार थे,जो ब्रह्मपुर से हरिशंकर घूमने जा रहे थे। इसी दौरान हनुमान घाटी के पास एक तीखे मोड़ पर चालक ने नियंत्रण खो दिया, जिससे बस एक बड़े पत्थर से टकराकर पलट गई। हादसा इतना भीषण था कि कई यात्री बस से बाहर जा गिरे, जबकि 10 से अधिक लोग बस के नीचे फंस गए। सूचना मिलते ही दशपल्ला और बनिगोछा थाना पुलिस, दमकल कर्मी और एंबुलेंस मौके पर पहुंचे।

राजनाथ सिंह की अगुवाई में आईजीओएम की बैठक पश्चिम एशिया संकट के असर की समीक्षा...

नई दिल्ली,28 मार्च 2026। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में मंत्रियों के अनौपचारिक समूह की बैठक शनिवार को हुई, जिसमें पश्चिम एशिया में जारी संकट से उत्पन्न स्थिति पर विस्तृत चर्चा की गई। बैठक में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जेपी नड्डा, नागरिक उड्डयन मंत्री किंजरापु राममोहन नायडू, संसदीय कार्य एवं अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री किरेन रिजिजू, प्रधानमंत्री कार्यालय में राज्यमंत्री जितेन्द्र सिंह, रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव,आवास एवं शहरी कार्य मंत्री मनोहर लाल खट्टर, पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी तथा उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्री प्रह्लाद जोशी सहित संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। रक्षा मंत्री ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर बैठक की तस्वीर साझा कर बताया कि बैठक में ऊर्जा आपूर्ति पर संभावित जोखिम, आवश्यक वस्तुओं की घरेलू उपलब्धता, महत्वपूर्ण अवसंरचना की मजबूती तथा भारत की आपूर्ति श्रृंखलाओं की स्थिति की समीक्षा की गई। उन्होंने कहा कि इन सभी मुद्दों पर गहन चर्चा हुई और भारत सरकार द्वारा उठाए जा रहे कदमों का आकलन किया गया। साथ ही यह भी स्पष्ट किया गया कि मोदी सरकार स्थिति पर करीबी नजर बनाए हुए है और देशवासियों को किसी भी संभावित प्रभाव से सुरक्षित रखने के लिए प्रतिबद्ध है।

संपादकीय

भारतीयों से भयभीत अमेरिकी

रोकना अमेरिका के लिए भी हानिकारक

प्यू रिसर्च के अनुसार,अमेरिका में हिंदू और भारतीय सबसे अधिक शिक्षित हैं, 70 प्रतिशत स्नातक या उससे अधिक... लेख भारतीयों के देश प्रेम पर भी प्रकाश डालता है,जबकि कुछ भारतीय बुद्धिजीवी विदेश में भारत की नकारात्मक छवि प्रस्तुत करते हैं...

हाल में प्यू रिसर्च से जुड़ी खबर में बताया गया कि अमेरिका में रहने वाले तमाम धार्मिक समूहों में हिंदू सबसे अधिक पढ़े-लिखे हैं। इसके बाद यहूदी समुदाय है। 70 प्रतिशत हिंदुओ ने स्नातक या उससे अधिक पढ़ाई की है। इसी क्रम में 65 प्रतिशत यहूदियों के पास स्नातक या उससे अधिक पढ़ाई की योग्यता है। इन दोनों समूहों की तुलना में अमेरिकियों में मात्र 35 प्रतिशत लोगों के पास इतनी शिक्षा है।

मुस्लिम,बौद्ध और ईसाई समूहों में दस में से चार के पास स्नातक तक की शिक्षा है। प्रोटेस्टेंट ईसाइयों के पास भी औसत से अधिक शिक्षा है, जबकि कैथोलिक समूहों की शिक्षा राष्ट्रीय औसत से कम है। प्यू रिसर्च से जुड़ी खबर यह भी बताती है कि अधिकांश भारतीय जो अमेरिका आए हैं, वे उच्च शिक्षा लेकर ही आए हैं।

एक अन्य खबर में बताया गया कि भारतीयों को भारत से बहुत कम शिकायत है। वे अपने देश के निंदा अभियानों में शामिल नहीं होते। सिर्फ तीन प्रतिशत भारतीय ही अपने देश के बारे में नकारात्मक राय रखते हैं। अमेरिका में अपने देश को नापसंद करने वाले लोगों की संख्या 20 प्रतिशत और ब्रिटेन में 29 प्रतिशत है। भारत, स्पेन, कनाडा, इंडोनेशिया आदि देशों के लोगों को इस पर भी गर्व है कि उनके देश में बहुत सी भाषाएं बोली जाती हैं। यह निष्कर्ष 25 देशों के 30 हजार लोगों से बातचीत करके निकाला गया।

अपने ही देश भारत की निंदा करने वाले तीन प्रतिशत लोगों में बुद्धिजीवी तबका और विशेष तौर पर शिक्षा के क्षेत्र में काम करने वाले लोगों की संख्या ज्यादा प्रतीत होती है। इसका एक उदाहरण इस लेखिका को हाल की अमेरिका यात्रा के दौरान मिला। एक बड़े विश्वविद्यालय में भारत के बारे में एक संगोष्ठी थी। वहां जाना हुआ। बोलने वाले विश्वविद्यालय के वरिष्ठ भारतीय प्रोफेसर ही थे।

लगभग दो घंटे के संबोधन और पीपीटी में उन्होंने जो चीजें दिखाईं,उनमें बारंबार यही कहा गया कि इस देश में यह बुराई है,वह बुराई है। यहां तो कुछ हुआ ही नहीं है। आर्थिक और शैक्षणिक रूप से पिछड़ा ही पिछड़ा है। महिलाओं के मामले में तो इसका रिकार्ड बहुत खराब है। जो आंकड़े उन्होंने प्रस्तुत किए, वे भी पता नहीं कहां से निकाल कर लाए थे। उनसे भारत की एक बहुत ही पिछड़े हुए देश की छवि बनती थी। निःसंदेह अपने देश की आबादी के लिए बहुत कुछ करना अभी बाकी है,लेकिन कुछ हुआ ही नहीं, यह बात तथ्यों से परे हैं।

संगोष्ठी के बाद यह लेखिका उन प्रोफेसर महोदय से मिलने गई। उनसे पूछा कि आखिर उन्होंने ऐसा क्यों मान लिया है कि भारत से कोई उम्मीद ही नहीं है और वह एक बेकार देश है। चूंकि वे परिचित थे,तो बाहर निकलते वक्त साथ आए। अपनी कार में बैठते हुए उन्होंने जो कहा,उसे सुनकर बहुत हैरानी हुई। वह बोले कि अगर हम ऐसा नहीं करेंगे,तो हमें कौन पूछेगा? यानी हमें कोई पूछे, हमारा करियर परवान चढ़े, हम प्रसिद्धि के शिखर पर पहुंचें, इसलिए हम कहेंगे कि भारत किसी लायक ही नहीं है। आखिर यह बेईमानी नहीं तो और क्या है?

आधुनिक समाज में यौनता का अतिशय

खुलापन या भ्रम–मीडिया,मार्केट और बदलती मानसिकता के बीच आकर्षण का अतिरेक,और खोती हुई मानवीय संवेदनाओं का संकट...

डॉ.सत्यवान सौरभ
भिवानी,हरियाणा

आज का समय एक विचित्र द्वंद्व का समय है। एक ओर हम स्वयं को आधुनिक,जागरूक और खुला समाज घोषित करते हैं,तो दूसरी ओर हमारी चेतना का एक बड़ा हिस्सा लगातार एक ही बिंदु के इर्द-गिर्द सिमटता जा रहा है–देह,आकर्षण और कामना का अतिशय प्रदर्शन। यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगा कि बीते दो-तीन दशकों में जीवन के लगभग हर क्षेत्र में सेक्स एक केंद्रीय विमर्श के रूप में उभरा है, किंतु यह विमर्श संतुलित या संवेदनशील न होकर अधिकतर बाज़ार, उपभोग और सतही उत्तेजना तक सीमित रह गया है। परिणामस्वरूप,जो विषय स्वाभाविक, निजी और मानवीय अनुभव का हिस्सा होना चाहिए था, वह अब एक उत्पाद, एक रणनीति और निरंतर परोसी जाने वाली सामग्री में परिवर्तित हो गया है।

बाज़ार ने इस परिवर्तन को सबसे पहले पहचाना और सबसे आक्रामक रूप में भुनाया। विज्ञापनों से लेकर फिल्मों, वेब सीरीज़ और सोशल मीडिया तक, हर जगह देह का एक विशेष प्रकार का चित्रण दिखाई देता है, जो आकर्षण को बेचने का सबसे आसान माध्यम बन चुका है। साबुन,शैम्पू,कपड़े,यहाँ तक कि रोज़मर्रा की साधारण वस्तुओं के प्रचार में भी यौन संकेतों का प्रयोग अब सामान्य हो गया है। यह प्रवृत्ति केवल उत्पाद बेचने तक सीमित नहीं रहती,बल्कि धीरे-धीरे दर्शकों की संवेदनाओं और अपेक्षाओं को भी प्रभावित करती है। जब हर ओर एक ही तरह का संदेश बार-बार दोहराया जाता है,तो वह सामान्य प्रतीत होने लगता है–और यही सामान्यीकरण सबसे बड़ी चिंता का विषय है।

इस बदलते परिदृश्य में केवल बाज़ार ही नहीं, बल्कि वे क्षेत्र भी शामिल हो गए हैं जो कभी मूल्य, अनुशासन और संतुलन के प्रतीक माने जाते थे। शिक्षा, अध्यात्म,स्वास्थ्य और व्यक्तिगत विकास जैसे क्षेत्रों में भी बेहतर जीवन की परिभाषा को एक विशेष दिशा में मोड़ दिया गया है। जीवन की जटिलताओं का समाधान अब अक्सर इस रूप में प्रस्तुत किया जाता है कि व्यक्ति अपनी सेक्स लाइफ को बेहतर बना ले,मानो यह जीवन के हर असंतुलन का अंतिम उत्तर हो। यह सरलीकरण न केवल भ्रामक है, बल्कि जीवन के अन्य महत्वपूर्ण आयामों–जैसे मानसिक शांति, संबंधों की गहराई, सामाजिक जिम्मेदारी और आत्मिक संतुलन–को भी हाशिये पर डाल देता है।

इस पूरे परिदृश्य का सबसे गहरा प्रभाव मानवीय संबंधों पर पड़ा है। रिश्तों की जो आत्मीयता,सहजता और भरोसा कभी उनकी आधारशिला हुआ करती थी, वह धीरे-धीरे प्रदर्शन, अपेक्षा और तुलना के दबाव में कमजोर होती जा रही है। प्रेम,जो कभी एक गहरी अनुभूति और आत्मिक जुड़ाव का प्रतीक था,अब अक्सर बाहरी अभिव्यक्तियों और शारीरिक आकर्षण तक सीमित कर दिया जाता है। इससे न केवल संबंधों की गुणवत्ता प्रभावित होती है,बल्कि

व्यक्ति के भीतर एक स्थायी असंतोष भी जन्म लेता है, क्योंकि वह लगातार एक आदर्श छवि को पाने की कोशिश में रहता है,जो वास्तविकता से कोसों दूर होती है।

स्त्री-पुरुष संबंधों के संदर्भ में यह बदलाव और भी जटिल हो जाता है। स्त्री का चित्रण लंबे समय से समाज में बहस का विषय रहा है,किंतु वर्तमान समय में यह चित्रण एक नए प्रकार के वस्तुकरण की ओर संकेत करता है। स्त्री को एक व्यक्ति के रूप में नहीं,बल्कि एक उत्पाद के रूप में प्रस्तुत किया जाना उसकी पहचान को सीमित कर देता है। यह प्रवृत्ति केवल पुरुष दृष्टि तक सीमित नहीं है,बल्कि कई बार स्वयं स्त्रियाँ भी इसी ढाँचे के भीतर अपनी स्वीकृति तलाशने लगती हैं। इससे एक ऐसा चक्र निर्मित होता है,जिसमें वास्तविक स्वतंत्रता और आत्मसम्मान की जगह बाहरी मानकों को पूरा करने की होड़ ले लेती है। मीडिया और डिजिटल प्लेटफॉर्म ने इस प्रवृत्ति को और तीव्र कर दिया है। एल्गोरिद्म आधारित दुनिया में वही सामग्री अधिक दिखाई जाती है जो तुरंत ध्यान आकर्षित करे और अधिक प्रतिक्रिया प्राप्त करे। ऐसे में गहराई, संवेदना और विचारशीलता की जगह उत्तेजना, सनसनी और त्वरित संतुष्टि को प्राथमिकता मिलती है। यह न केवल दर्शकों की पसंद को प्रभावित करता है, बल्कि रचनाकारों को भी उसी दिशा में काम करने के लिए प्रेरित करता है। धीरे-धीरे यह एक ऐसी संस्कृति का निर्माण करता है,जहाँ गंभीरता और संवेदनशीलता को कम महत्व दिया जाता है। इस सबके बीच एक और गंभीर पहलू उभरता है–सुरक्षा और नैतिकता का प्रश्न। जब समाज में देह और यौनता का अत्यधिक और असंतुलित प्रदर्शन होता है,तो उसका प्रभाव व्यवहार पर भी पड़ता है। यह कहना उचित नहीं होगा कि केवल इसी कारण अपराध बढ़ते हैं, किंतु यह भी सत्य है कि एक असंतुलित और विकृत दृष्टिकोण सामाजिक वातावरण को प्रभावित करता है। बच्चों और किशोरों पर इसका प्रभाव विशेष रूप से चिंताजनक है, क्योंकि वे अभी अपने मूल्यों और समझ का निर्माण कर रहे होते हैं। जब वे हर ओर एक ही प्रकार के संकेत देखते हैं, तो उनके लिए सही और गलत के बीच संतुलन स्थापित करना कठिन हो जाता है।

यह स्थिति हमें एक महत्वपूर्ण प्रश्न के सामने खड़ा करती है–क्या वास्तव में हम एक अधिक परिपक्व और खुले समाज की ओर बढ़ रहे हैं, या केवल एक ऐसे भ्रम में जी रहे हैं, जहाँ खुलापन केवल प्रदर्शन तक सीमित है? परिपक्वता का अर्थ केवल वर्जनाओं को तोड़ना नहीं होता, बल्कि यह समझना भी होता है कि किस सीमा तक,किस संदर्भ में और किस संवेदनशीलता के साथ किसी विषय को देखा और प्रस्तुत किया जाना चाहिए। यदि इस संतुलन की अनदेखी की जाती है, तो खुलापन भी एक नए प्रकार की बंदिश में परिवर्तित हो सकता है।समाधान इस स्थिति से भागने में नहीं, बल्कि उसे समझने और संतुलित करने में निहित है। यौनता मानव जीवन का एक स्वाभाविक और महत्वपूर्ण हिस्सा है, किंतु इसे जीवन का केंद्र बना देना न तो आवश्यक है और न ही स्वस्थ। हमें यह स्वीकार करना होगा कि जीवन की समृद्धि केवल एक आयाम में नहीं, बल्कि अनेक आयामों के संतुलन में निहित है। शिक्षा, कला, साहित्य और मीडिया को इस संतुलन को पुनः स्थापित करने की दिशा में प्रयास करना होगा, ताकि समाज में एक अधिक संवेदनशील और जिम्मेदार दृष्टिकोण विकसित हो सके।अंततः, यह केवल बाहरी परिवर्तन का प्रश्न नहीं, बल्कि आंतरिक जागरूकता का भी विषय है। जब तक व्यक्ति स्वयं यह नहीं समझेगा कि वह क्या देख रहा है, क्यों देख रहा है और उसका उस पर क्या प्रभाव पड़ रहा है, तब तक कोई भी बाहरी प्रयास अधूरा रहेगा। हमें अपने भीतर उस संवेदनशीलता को पुनः जागृत करना होगा, जो किसी व्यक्ति को केवल देह नहीं,बल्कि एक संपूर्ण अस्तित्व के रूप में देख सके। यही वह दिशा है, जो हमें इस अतिरेक और असंतुलन से बाहर निकालकर एक अधिक मानवीय, संतुलित और सार्थक समाज की ओर ले जा सकती है।

मोहब्बत का सर,मुस्कुराहटों की छाँव

डॉ. मुश्ताक़ अहमद शाह

कॉलेज की फिज़ाओं में एक नाम गूंजता था, अमन आरिफ़। वह एक संजीदा फक्रि नौजवान, जिसकी दुनिया किताबों, शायरी और क्लासेज के गिर्द घूमती थी। लेकिन उसकी ख़ामोशी दुनिया में हलचल तब मची जब शहनाज़ ने क़दम रखा। शहनाज़, जिसकी आँखों में एक अजीब सी चमक और बातों में बला की तासीर थी। कॉलेज के सालाना फंक्शन की वह शाम आज भी अमन आरिफ़ के ज़हन में नक्श है। स्टेज पर गैदरिंग का शोर था, मगर अमन की नज़रें हुजूम में सिर्फ़ शहनाज़ को तलाश कर रही थीं।

उनकी पहली बाक़ायदा मुलाक़ात लाइब्रेरी के उस गोशे में हुई जहाँ लफ़्ज़ों की ख़ुशबू बसती थी।

अमन ने अपनी डायरी से वही सतरें पढ़ीं जो उसने शहनाज के लिए लिखीं थीं,

मेरी कहानी का उरूज था
तेरी मुस्कुराहटों की छांव में
अफ़सोस कहानी वो
मुकम्मल न हो सकी।
तेरी पलकों में छुपा मेरा ख्वाब
है,मुस्कुरा के ज़रा तो देखले,

शहनाज़ ने मुस्कुरा कर देखा,मगर उसकी आँखों में एक अनकही झिझक थी। वह मुलाक़ातें जो कैंटीन की चाय से शुरू होकर कॉलेज के लॉन तक जाती थीं, इश्क़ का एक एसा मंसूबा बन गईं जिसका अंजाम किसी को मालूम न था।

वक़्त का पहिया घूमता रहा। कॉलेज के दिन ख़त्म होने को आए। अलविदाई तक़रीब का दिन था , अमन चाहता था कि अपने दिल की सारी बात कह दे, मगर फ़ासलों की दीवारें पहले ही बुलंद हो चुकी थीं। वजह कुछ मालूम नहीं, शहनाज़ की ख़ामोशी अमन के लिए एक मुअम्मा (पहेली) बन गई। वह लम्हा जब दोनों

को एक दूसरे का साथ देना था,वहीं से राहें जुदा होने लगीं।

साथ मेरे तुझको चलना था, तेरे पांव कैसे रुक गए,

मिले भी तो क्या मिले? वही पुरानी दूरियां और वही फ़ासले जो न मिट सके।

अमन के नाम का जो जाम था, वह हालात के संगलाज़ रास्तों में कहीं छलक गया, उसके हिस्से में सिर्फ इंतज़ार की प्यास आई।

आज बरसों बाद भी अमन जब अपने कॉलेज के दिनों को याद करता है, तो उसे क्लासरूम की वह ख़ाली कुर्सियां और शहनाज़ का वह मासूम चेहरा याद आता है। उसने उसे भूलने की हज़ार कोशिशें कीं,मगर मोहब्बत के नक्श इतने गहरे थे कि मिटाए न मिट सके। तुझे भूल जाने की कोशिशें कभी कामयाब न हो सकीं

अब अमन के पास सिर्फ़ यादों का असासा (पूंजी) है। शहनाज़ की याद उसके लिए किसी मुरझाए हुए फूल की तरह नहीं,बल्कि उस शाखे-गुलाब की तरह है,जो जब भी माज़ी (अतीत) की हवा चलती है, तो लचक कर उसके दिल को मुअत्तर (सुगंधित) कर देती है।

लेकिन आज,कॉलेज की उन्हीं पुरानी राहों पर जहाँ कभी ख़ामोशियाँ पहरा देती थीं,एक नई सरगोशी सुनाई दी। अमन, पुस्तकालय की उन ऊँची अलमारियों के पीछे किसी किताब में नहीं, बल्कि ज़िंदगी के एक नए सफ़र के मुंतज़िर थे।

तभी फिज़ा में मोगरे की महक घुली और शहनाज़ सामने आकर खड़ी हो गई। उसकी आँखों में आज कोई झिझक नहीं, बल्कि एक साफ़ और शफ़्फ़ाफ़ इक़रार था।

शहनाज़,अमन,सुना है तुम्हारी डायरी के पन्ने अब भी मेरे जिक्र के बिना अधूरे हैं? कब तक इन अल्फ़ाज़ को काग़ज़ों में क़ैद रखोगे?

अमन ने अपनी डायरी बंद की और उसकी जानिब देखा। उनकी नज़रों में बरसों का इंतज़ार एक पल में सिमट आया था।

अमन शहनाज़,ये अल्फ़ाज़ क़ैद नहीं हैं, ये तो वो एहसास हैं जो हर रात मुझे सोने नहीं देते। वक्त की पाबंदियों ने शायद हमारे क़दम रोके हों, लेकिन इन धड़कनों पर किसी का ज़ोर नहीं चला। मिलना और बिछड़ना तो महज़ एक इत्तिफ़ाक़ है, असल दास्तान तो वो है जो हम इस पल जी रहे हैं।

शहनाज़ थोड़ा और करीब आई, उसकी आवाज़ में एक दिलकश खनक थी। शहनाज़, तो फिर आज इन दूरियों को यहीं दफ़्न कर देते हैं। लोग कहते हैं कि अधूरी कहानियाँ ही मुकम्मल होती हैं, मगर मुझे तुम्हारी मुस्कुराहटों की छाँव में अपनी पूरी ज़िंदगी गुज़ारनी है। क्या तुम ज़िंदगी की राह पर साथ चलोगे?

अमन के चेहरे पर एक पुर-सुकून मुस्कान फैल गई। उन्होंने धीरे से शहनाज़ का हाथ थाम लिया। उसके सारे जिस्म में एक बर्क (बिजली)सी दौड़ गई,यह महज़ हाथ पकड़ना नहीं था,बल्कि दो रूहों का एक-दूसरे से सच्चा वादा था।

सूरज ढल रहा था और कॉलेज के लॉन में लंबी परछाइयां बन रही थीं। अमन और शहनाज़ साथ-साथ चल रहे थे। अब न तो कोई मुअम्मा था और न ही कोई पुरानी दूरी। वह अलविदाई तक़रीब का दिन, जो कभी जुदाई का डर बनकर आया था,आज एक नई शुरुआत का गवाह बन गया। राहें अब जुदा नहीं थीं,बल्कि एक ही मंजिल की तरफ़ ग़मज़न हो चुकी थीं। अमन ने महसूस किया कि सच्ची मोहब्बत सिर्फ़ यादों का असासा नहीं होती,बल्कि वो हिम्मत होती है जो वक्त के संगलाज़ रास्तों को भी फूलों की सेज बना देती है।तुझे भूल जाने की कोशिशें कभी कामयाब न होतीं, अच्छा हुआ कि अब तुझे याद करने की ज़रूरत ही न रही... क्योंकि तुम अब मेरे साथ हो।शहर की रौशनियाँ जाग रही थीं और उनकी मोहब्बत का अफ़साना, पहली बार अपनी मुकम्मल मंज़िल की तरफ़ क़दम बढ़ रहा था। यह दास्तान अधूरी होकर भी मुकम्मल हो चुकी थी, क्योंकि सच्ची मोहब्बत मंज़िलों की नहीं, एहसास की मोहताज होती है।

डिजिटल शिक्षा की तर्ज पर बनेगा विकसित भारत

निखिल रस्तोगी

भारत प्राचीन काल से ही ज्ञान और विकास का केंद्र रहा है। फिर चाहे वह दशमलव प्रणाली, योग, आयुर्वेद की खोज हो या नालंदा-तक्षशिला जैसे विस्तृत शिक्षा संस्थानों का विस्तार; हिदुस्तान ने सदैव ही विश्व और उसके सुनहरे भविष्य को आकार दिया है । आज 21वीं सदी में जहां संसार अंकीय आधारित विकास तथा शिक्षा की ओर अग्रसर है, वहां भारत इन आयामों को एक नया रूप दे रहा है। वह उस संरचना का निर्माण कर रहा है,जो सिर्फ और सिर्फ नवाचारों की तर्ज पर बनी तथा गढ़ी है। जैसा की आज भारत विकाशील से विकसित देश बनने की ओर बे रहा है। वह अवधाणनाओं से दूर डिजिटलीकरण से अपनी शिक्षा और विकास के अनेक पहलुओं को जो रहा है। उदरहरण के रूप में जहां दीक्षा, स्वयं प्रभा,डिजिटल लर्निंग सेंटर जैसे नवाचारों की नींव रख वह शिक्षा को एक नया रूप दे रहा है। वही भारत अपने विकास कार्यों में तकनीकी पहलुओं का उपयोग करके और डिजिटल इंडिया जैसी मुहीमों को चलाकर विश्व उन्नति में अपना अहम योगदान दे रहा है।

आज भारत की यह स्थिति है कि वह संयुक्त राज्य अमेरिका के बाद दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा ई-लर्निंग बाजार है।

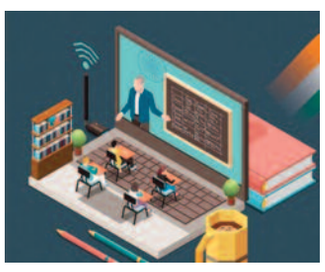

इसके अलावा विकास की रफ्तार इंटरनेट के ग्रामीण क्षेत्रों तक पहुंचने पर कई गुना बे गई हैं,जो कही न कही शिक्षा का लोकतंत्रीकरण तो कर ही रहा है बल्कि विकसित भारत के सपने को वास्तविकता का रूप देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

आधुनिक युग के भारत में आज विकास की असीम संभवनाएं सच हो रही है। विकसित भारत जिसका लक्ष्य स्वतंत्रता की 100वीं वर्षगांठ तक देश को एक विकसित राष्ट्र बनाना है। यह डिजिटल युक्त शिक्षण संरचनाओं से संभव हो रहा है। रोजगार के अवसरों में इजाफा यहां इसका सटीक उदाहरण है जो डिजिटलीकरण की मौजूदगी में फल फूल रहा है।

आज डिजिटल शिक्षा और डिजिटल युक्त विकास भारत को एक वैश्विक महाशक्ति के रूप में स्थापित करने में मुख्य उत्प्रेरक की भूमिका निभा रहा हैं। भारत न केवल तकनीक का उपभोक्ता बन रहा है,बल्कि अब प्रौद्योगिकी के भविष्य का नेतृत्व कर रहा है।

किसी भी समाज का विकास उसकी शिक्षा और विकास निति पर आधारित होती है। आज जब भारत इन पहलुओं में प्रस्तुत परिवेश के अनुरूप बदलाव कर रहा है;वह कही न कही विश्व पटल पर एक विश्वगुरू के रूप में प्रेरणास्त्रोंत बन रहा है। भारतीय समाज अपने विविधता के लिए जाना जाता है,जहां विभिन्न प्रकार के लोग समंजस्य बनाकर रहते है। यहां डिजिटल शिक्षा और विकसित भारत का सपना जब साकार होने के कगार पर है; लोगों के प्रति लोगों की समझ बढ़ रही है।आने वाले समय में भारत एक उन्नत राज्य के रूप में जाना जाएगा। आज जब स्कूली स्तर पर स्मार्ट क्लासरूम जैसे संकल्पना का विस्तार हो रहा है, देश के विभिन्न क्षेत्रों में विकास परस्पर हो रहा है। यह महज एक बात नही बल्कि हकीकत है;वह वास्तविकता जिसकी आभा प्रस्तुत समय में देखी जा सकती है। मौजूदा आकड़े भी इस ओर इशारा करते है, जिसके मुताबिक भारत आज दुनिया की सबसे तेज़ बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था है, जिसकी जीडीपी वृद्धि दर लगभग 7त्न रहने का अनुमान है। एक तरफ जहां डिजिटल क्रांति के मामले में भारत यूपीआई लेनदेन में विश्व स्तर पर पहले स्थान पर है।

वही दूसरी ओर शिक्षा के क्षेत्र में यूडीआईएसई+ 2024-25 की रिपोर्ट के अनुसार, देश के 64.7त्न स्कूलों में कंप्यूटर और 63.5 प्रतिशत स्कूलों में इंटरनेट की सुविधा पहुंच चुकी है, जो पिछले दो वर्षों में 30 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि दर्शाती है। इसके अलावा,भारत 600 बिलियन डॉलर से अधिक के विदेशी मुद्रा भंडार और दुनिया के तीसरे सबसे बड़े स्टार्टअप इकोसिस्टम के साथ एक मजबूत वैश्विक शक्ति के रूप में उभर रहा है, जहां अब शिक्षा व्यवस्था भी हाइब्रिड मॉडल और डिजिटल मूल्यांकन की दिशा में तेज़ी से बढ़ रही है। यह आकड़े सिर्फ यहां तक सीमित नही है। ऐसी कई बाते है,जो भारत में होते विकास और उसकी शिक्षा में होते बदलाव का सत्यापन करती है। जब आज विश्व मंच पर भारत अपने आप को दूसरे देशों के सामने पेश करता है; उसके विकास को देख अन्य राज्य प्रेरित होते है। उन बदलावों से वह सीख लेते है, जिसे भारत ने मुमकिन कर दिखाया है। आज वैश्विक स्तर पर भारत डिजिटल प्लेटफार्मों और स्वदेशी एआई मॉडलों के माध्यम से शिक्षा में अपनी समावेशी डिजिटल वृद्धि का प्रदर्शन कर रहा है। डिजिटल और तकनीकी विकास के अंतर्गत जब आज कृत्रिम बुद्धिमत्ता जैसे आयामों पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। तब हमारे शिक्षा संस्थान मौजूदा समय के अनुरूप मजबूत हो रहे है।

अब वह दिन दूर नही जब भारत एक सशक्त राज्य नही बल्कि एक मजबूत विकसित देश के रूप में उभरेगा। शिक्षा को विकास की नींव कहा गया है और भारत में डिजिटल शिक्षा के आगमन के बाद जिस प्रकार से विधार्थियों को पारंपरिक शिक्षा से इतर नए युग की शिक्षा से रूबरू कराया जा रहा है। वह विकसित भारत 2047 जैसे सपने जिसमें आधुनिकता और विकास की बात की जा रही है। उसके तय समय से पहले सच होने की संभावनाएं ज्यादा बढ़ गई है।कुलमिलाकर, विकसित भारत का प्रतिबिंब आज की शिक्षा पर निर्भर कर रहा है। कक्षा एक से ही जब बच्चे की समझ को तकनीक, आधुनिकरण और नवाचारों के मुताबिक बढ़ाया जा रहा है। यह कहना बिल्कुल भी गलत नही होगा की भारत का आने वाला भविष्य एक बार फिर उसे सुनहरी चिर्रो यां की उपाधि से नवाजेगा।

नई शिक्षा नीति व संरचना में जिस प्रकार से डिजिटल इंडिया, आत्मनिर्भर भारत जैसे सिध्दांतों का जिक्र है, वह केवल एक ही नही बल्कि कई बाधाओं को पार करने का बल रखता है। भारत का आने वाला कल सुगमता की सीढ़ी पर इसी एक खूबी से आगे बढ़ेगा। इन सब बातों से यह बात साफ है और इसमें कोई दोराय नही है।

इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स बहुआयामी बहस का विषय

सुभाष बुड़ावन वाला,रतलाम.मध्यप्रदेश.

महोदय,ईरान में हाल ही में इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) द्वारा सुरक्षा और युद्ध-सहायता गतिविधियों के लिए न्यूनतम आयु सीमा घटाकर 12 वर्ष करना एक गंभीर और बहुआयामी बहस को जन्म देता है। यह निर्णय ऐसे समय में सामने आया है, जब क्षेत्रीय तनाव और संघर्ष की स्थिति लगातार बनी हुई है। आईआरजीसी के अधिकारियों के अनुसार, यह कदम उन किशोरों की बढ़ती स्वैच्छिक भागीदारी की मांग को ध्यान में रखते हुए उठाया गया है, जो देशभक्ति की भावना से प्रेरित होकर योगदान देना चाहते हैं। हालांकि,इस निर्णय ने बाल अधिकारों, अंतरराष्ट्रीय कानून और नैतिकता के प्रश्नों को भी उतनी ही मजबूती से खड़ा किया है।

सबसे पहले, इस पहल को ईरान के भीतर राष्ट्रवाद और सुरक्षा चिंताओं के संदर्भ में समझना आवश्यक है। ईरान लंबे समय से बाहरी दबाव, प्रतिबंधों और क्षेत्रीय संघर्षों का सामना करता रहा है। ऐसे माहौल में राज्य अक्सर समाज के हर वर्ग को रक्षा प्रयास का हिस्सा बनाने की कोशिश करता है। 'मातृभूमि रक्षक' जैसे कार्यक्रम इसी सोच का विस्तार हैं, जिनका उद्देश्य नागरिकों–यहां तक कि किशोरों–को भी सुरक्षा ढांचे में जोड़ना है। तेहरान और अन्य शहरों में बनाए गए चेकपॉइंट्स पर किशोरों की मौजूदगी इसी रणनीति का हिस्सा मानी जा रही है।

लेकिन इस पूरे परिदृश्य का दूसरा पहलू कहीं अधिक चिंताजनक है। ईरान ने संयुक्त राष्ट्र के बाल अधिकारों पर कन्वेंशन पर हस्ताक्षर किए हैं, जिसके तहत बच्चों को सैन्य गतिविधियों से दूर रखना अनिवार्य है। 18 वर्ष से कम आयु के बच्चों को सीधे या अप्रत्यक्ष रूप से युद्ध या सैन्य कार्यों में शामिल करना अंतरराष्ट्रीय मानकों के खिलाफ माना जाता है। ऐसे में 12-13 साल के बच्चों को गश्त, चेकपॉइंट संचालन या लॉजिस्टिक्स जैसे कार्यों में लगाना न केवल कानूनी प्रश्न उठाता है, बल्कि उनके मानसिक और शारीरिक विकास पर भी गंभीर असर डाल सकता है।

इतिहास गवाह है कि जब भी बच्चों को संघर्षों में झोंका गया है,उसके परिणाम दीर्घकालिक रूप से विनाशकारी रहे हैं। युद्ध का माहौल बच्चों की शिक्षा, मनोवैज्ञानिक संतुलन और भविष्य की संभावनाओं को प्रभावित करता है। भले ही ईरान इसे स्वैच्छिक भागीदारी बताता हो,लेकिन सामाजिक दबाव,प्रचार और राष्ट्रवाद की तीव्र भावना बच्चों के निर्णय को प्रभावित कर सकती है। इस संदर्भ में यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि क्या यह वास्तव में स्वेच्छा है या परिस्थितियों से उपजा दबाव?

अब यदि भारत से तुलना करें, तो परिदृश्य पूरी तरह भिन्न दिखाई देता है। भारत में हाल के वर्षों में अग्निपथ योजना के तहत 'अग्निवीर' भर्ती मॉडल लागू किया गया है। इस योजना में युवाओं को 17.5 से 21 वर्ष की आयु के बीच चार साल के लिए सेना में सेवा का अवसर दिया जाता है, जिसमें उन्हें प्रशिक्षण,वेतन और अन्य सुविधाएं भी मिलती हैं। इसके बावजूद भारत में इस योजना को लेकर व्यापक राजनीतिक और सामाजिक बहस हुई है। विपक्षी दलों ने इसे युवाओं के भविष्य के साथ अनिश्चितता जोड़ने वाला कदम बताया है। यह तुलना कई महत्वपूर्ण अंतर स्पष्ट करती है। भारत में जहां सैन्य भर्ती के लिए न्यूनतम आयु सीमा अपेक्षाकृत अधिक है और प्रक्रिया औपचारिक, संरचित तथा संवैधानिक ढांचे के भीतर होती है, वहीं ईरान में किशोरों को अपेक्षाकृत कम उम्र में अर्ध-सैन्य गतिविधियों में शामिल किया जा रहा है। भारत में युवाओं को रोजगार,प्रशिक्षण और भविष्य की संभावनाओं के साथ जोड़ा जाता है, जबकि ईरान में यह भागीदारी अधिकतर सुरक्षा और संघर्ष-उन्मुख दिखाई देती है।एक और दिलचस्प पहलू यह है कि ईरान में महिलाओं की भागीदारी भी बढ़ रही है। वहां की महिलाएं न केवल सामाजिक बल्कि सैन्य और अर्ध-सैन्य भूमिकाओं में भी सक्रिय हो रही हैं। यह एक ओर लैंगिक समानता की दिशा में सकारात्मक संकेत देता है, लेकिन जब यही भागीदारी संघर्ष और सैन्य गतिविधियों से जुड़ती है, तो यह भी एक जटिल नैतिक बहस को जन्म देती है। महिलाओं और बच्चों दोनों को संघर्ष के दायरे में लाना समाज के सैन्यीकरण की ओर संकेत करता है।

सूचना

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।

-सम्पादक

महिलाओं की महिलाओं से बातें

महिलाओं की महिलाओं से बातें
झुमके ,साड़ी ,बाल ,गहनों की बातें
बैठती है जब भी घर के बाहर
या मिल जाती है कभी कही
तो बस यही बातें होती है उनके पास
इससे इतर कभी कभी
वो सास ससुर देवर जेठ की बातों संग
पति की खुबियों के गुण गा जाती हैं
थोड़ा हँस,थोड़ा रो भी जाती हैं
नही करती महिलाएँ
चर्चा खेलों पर ,ना राजनीति पर बहस
करती है
वो तो मन बहलाने को ,भजन कीर्तन संग
नाच लेती है
वो नही देखती बड़े सपने बस अपने घर में
सिमटी रहती है
कभी कभी अपने हुनर को
क्रोशियों ,सलाइयों,रंगो व धागों के संग
निखारती है ।
कुछ ही छूती है अपने ख्वाहिशों के
आसमान को
क्योंकि वो पा जाती है जीवन में
पांचाली की तरह कृष्ण को
नही तो वो बस घर -गृहस्थी के
पानी में मीन सी तैरती है ,
ना बाहर निकलती है ना डूबती है ।

गरिमा राकेश गर्विता
कोटा, राजस्थान

छत्तीसगढ़ में पेट्रोल-डीजल पर वैट घटा कर लोगों को राहत क्यों नहीं : आशीष

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,28 मार्च 2026 (घटती-घटना)।

पेट्रोल-डीजल को लेकर राहत के दावों पर कांग्रेस ने बड़ा हमला बोलते हुए इसे पूरी तरह भ्रामक करार दिया है। कांग्रेस का आरोप है कि जिस राहत का प्रचार किया जा रहा है,उसका जमीनी असर कहीं दिखाई नहीं देता । आम जनता को एक रुपये का भी लाभ नहीं मिला,फायदा तेल कंपनियों को पहुंच रहा है। कांग्रेस प्रवक्ता आशीष वर्मा ने कहा है कि मुख्यमंत्री ,वित्त मंत्री समेत पूरा मंत्री मंडल और पूरी भाजपा कह रही है कि टैक्स कम करने से जनता को राहत मिलेगी,तो छत्तीसगढ़ में पेट्रोल-डीजल पर वैट घटा कर लोगों को राहत क्यों नहीं देते ? कांग्रेस ने केंद्र सरकार पर तीखा प्रहार करते हुए कहा कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में भारी गिरावट के बावजूद आम जनता को कभी उसका लाभ नहीं दिया गया। वर्ष 2014 में जहां पेट्रोल पर एक्साइज ड्यूटी लगभग 9-10 रुपये प्रति लीटर थी, उसे बढ़ाकर 30 रुपये प्रति लीटर से अधिक तक पहुंचाया गया। इसी दौरान कच्चा तेल 100 डॉलर प्रति बैरल से गिरकर कई बार 30-40 डॉलर तक आ गया, लेकिन कीमतें कम करने के बजाय टैक्स बढ़ाकर आम जनता से वसूली की गई। कांग्रेस प्रवक्ता ने आरोप लगाया कि पिछले वर्षों में केंद्र सरकार ने पेट्रोलियम उत्पादों पर कर के जरिए करीब 39 लाख करोड़ रुपये से अधिक का राजस्व जुटाया, लेकिन इसका फायदा आम लोगों को नहीं मिला। फिर इस 'मुनाफाखोरी' का लाभ आखिर किसे मिला। तेल कंपनियां लगातार मुनाफे में रही हैं,लेकिन ऐसा माहौल बनाया जा रहा है मानो उन्हें बचाने के लिए ही टैक्स नीति तय की जा रही हो। राज्य में वैट को लेकर ठोस तुलना रखते हुए कांग्रेस प्रवक्ता ने कहा कि छत्तीसगढ़ में पेट्रोल पर 24 प्रतिशत वैट के साथ 1 रुपए प्रति लीटर सेस वसूला जा रहा है, जबकि पड़ोस में उत्तर प्रदेश में यह दर करीब 19.36 प्रतिशत है। साफ है कि छत्तीसगढ़ की जनता पर अधिक टैक्स का बोझ डाला जा रहा है।

मुख्यमंत्री साय ने निर्माणाधीन जगदेव राम उरांव कल्याण आश्रम चिकित्सालय का किया अवलोकन

-संवाददाता-
जशपुरनगर,28 मार्च 2026 (घटती-घटना)।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने आज निर्माणाधीन जगदेव राम उरांव कल्याण आश्रम चिकित्सालय का अवलोकन किया। इस दौरान उन्होंने कार्य की तेज गति और निर्धारित मानकों के अनुरूप हो रहे निर्माण की सराहना की। मुख्यमंत्री ने कहा कि अस्पताल के पूर्ण होने के बाद यह क्षेत्र के लोगों के लिए जीवनरेखा साबित होगा और मरीजों को यहां विशेषज्ञ चिकित्सकों की बेहतर सेवाएं उपलब्ध होंगी। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण मंडल के अध्यक्ष श्री रामप्रताप सिंह,जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्री शौर्य प्रताप सिंह जूदेव,नगर पालिका उपाध्यक्ष श्री यश प्रताप सिंह जूदेव, श्री भरत सिंह,श्री कृष्ण कुमार राय,श्री विजय आदित्य प्रताप सिंह जूदेव,कमिश्नर श्री नरेंद्र दुग्गा,आईजी श्री दीपक कुमार झा,कलेक्टर श्री रोहित व्यास,वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ लाल उमेद सिंह, वनमण्डलाधिकारी श्री शशि कुमार,जिला पंचायत सीईओ श्री अभिषेक कुमार मौजूद रहे।

दर्रीपारा में 178 नशीले इंजेक्शन जब्त,महिला समेत 3 गिरफ्तार

उडऩदस्ता टीम की कार्रवाई,लंबे समय से अवैध कारोबार में लिप्त बताई जा रही महिला

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,28 मार्च 2026 (घटती-घटना)।

संभागीय आबकारी उडऩदस्ता टीम ने शनिवार को शहर के दर्रीपारा क्षेत्र में बड़ी कार्रवाई करते हुए 178 नग नशीले इंजेक्शन बरामद किए हैं। मामले में एक महिला सहित तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है।

जानकारी के अनुसार सहायक जिला आबकारी अधिकारी रंजीत गुप्ता को मुखबिर से सूचना मिली थी कि दर्रीपारा निवासी शोभा कुशवाहा उर्फ गुडिय़ा अपने घर से नशीले इंजेक्शन का अवैध कारोबार कर रही है। सूचना पर टीम ने उसके घर दबिश दी। टीम को देखकर महिला झोले में

इंजेक्शन लेकर भागने का प्रयास करने लगी, लेकिन उसे मौके पर ही पकड़ लिया गया। तलाशी के दौरान झोले से 178 नग नशीले इंजेक्शन बरामद किए गए। पूछताछ में महिला ने बताया कि वह यह इंजेक्शन मनु श्रीवास्तव और सुंदर लाल कुर्रे से खरीदकर बेचने लाई थी। इसके बाद टीम ने दोनों आरोपियों को भी गिरफ्तार कर लिया। आबकारी विभाग ने तीनों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए उन्हें न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया है।

पूर्व में ब्राउन शुगर का करती थी कारोबार

आबकारी अधिकारी के अनुसार, आरोपी महिला पहले भी कई बार जेल जा चुकी है और पिछले 15-20 वर्षों से नशीले पदार्थों के अवैध कारोबार में संलिप्त रही है। हाल के समय में वह ब्राउन शुगर के बजाय नशीले इंजेक्शन बेच रही थी।

बरगीडीह से 'कैंसर मुक्त सरगुजा' अभियान का आगाज,450 ग्रामीणों की जांच

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,28 मार्च 2026 (घटती-घटना)।

सरगुजा संभाग को कैंसर मुक्त बनाने के उद्देश्य से कैंसर मुक्त सरगुजा अभियान की शुरुआत शनिवार को लुंड्रा ब्लॉक के बरगीडीह में की गई। इस दौरान लगाए गए निःशुल्क कैंसर जांच शिविर में आसपास के 15 से अधिक गांवों के करीब 450 लोगों की जांच विशेषज्ञ डॉक्टरों द्वारा की गई। शिविर का आयोजन पुरंजय हेल्थ एंड एजुकेशन डेवलपमेंट फाउंडेशन,संजीवनी कैंसर केयर फाउंडेशन रायपुर एवं सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बरगीडीह के संयुक्त तत्वावधान में हुआ। कार्यक्रम में बीएमओ डॉ. राघवेंद्र चौबे ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में कैंसर की समय पर पहचान बड़ी चुनौती है, ऐसे में इस तरह की पहल सराहनीय है। वरिष्ठ कैंसर सर्जन डॉ. विवेक पटेल ने प्रारंभिक जांच और जागरूकता के महत्व पर जोर दिया। शिविर में चिन्हित गंभीर मरीजों को आगे इलाज के लिए रायपुर रेफर किया गया। साथ ही ग्रामीणों का हेल्थ डाटा भी तैयार किया गया, जिससे आगे फॉलो-अप किया जा सके।

नई दिशा आवासीय विद्यालय में बच्चियों को शिक्षा के प्रति किया गया जागरुक

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,28 मार्च 2026 (घटती-घटना)।

नवरात्रि के अवसर पर सेवा किटी द्वारा नई दिशा आवासीय विद्यालय में बालिकाओं के लिए सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य घुमंतू एवं श्रमिक परिवारों की बच्चियों को शिक्षा के प्रति जागरूक करना रहा। संस्था की संस्थापिका वंदना दत्ता ने बालिकाओं को सुरक्षा और शिक्षा के महत्व के बारे में बताया। 'परवाज' पहल के तहत बच्चियों को शिक्षित और प्रेरित किया जा रहा है। कार्यक्रम में बालिकाओं ने नृत्य एवं नृत्य-नाटिका प्रस्तुत कर सामाजिक संदेश दिया।

इस अवसर पर गायत्री अग्रवाल, नीलिमा गोयल, स्मिता तिवारी सहित संस्था की प्रभारी वर्षा उपगड़े व अन्य सदस्य मौजूद रहे। कार्यक्रम के अंत में बालिकाओं को स्टील प्लेट, फल और मिठाई वितरित की गई। साथ ही विद्यालय परिसर में सुरक्षा के लिए बाउंड्री वॉल निर्माण की मांग भी दोहराई गई।

भुगतान नहीं मिलने से ठेकेदार का आत्मदाह की चेतावनी,विभाग के खिलाफ प्रदर्शन

डेढ़ साल से बकाया भुगतान का आरोप,30 मार्च तक समाधान नहीं हुआ तो तालाबंदी की चेतावनी

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,28 मार्च 2026 (घटती-घटना)।

लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी (पीएचई) विभाग में भुगतान नहीं मिलने से परेशान ठेकेदारों का आक्रोश बढ़ता जा रहा है। ठेकेदार रजनीकांत ने कलेक्टर को ज्ञापन सौंपकर 30 मार्च को विभागीय कार्यालय के सामने आत्मदाह करने की चेतावनी दी है। इधर, जल जीवन मिशन के तहत कार्य कर रहे अन्य ठेकेदारों ने भी शनिवार को विभाग के खिलाफ मोर्चा खोल दिया। ठेकेदारों ने कार्यालय के सामने नारेबाजी कर विरोध प्रदर्शन किया। उनका आरोप है कि पिछले करीब डेढ़ साल से किए गए कार्यों का भुगतान लंबित है, जिससे वे आर्थिक संकट से जूझ रहे हैं। ठेकेदारों ने यह भी आरोप लगाया कि विभाग द्वारा अनुबंध के नियमों में लगातार फेरबदल किया जा रहा है, जिससे कामकाज प्रभावित हो रहा है। ठेकेदार संघ ने चेतावनी दी है कि यदि 30 मार्च तक भुगतान को लेकर ठोस पहल नहीं की गई, तो कार्यालय में तालाबंदी की जाएगी।

भुगतान एक वर्ष से लंबित : ठेकेदार रजनीकांत ने 27 मार्च को दिए गए पत्र में बताया कि जल जीवन मिशन के तहत करीब 65 लाख रुपए के कार्य किए गए, लेकिन अब तक केवल 22 लाख रुपए का ही भुगतान हुआ है। शेष राशि एक वर्ष से लंबित है। उन्होंने विभागीय अधिकारियों पर देयक तैयार करने में कमीशन मांगने, ब्लैकमेलिंग और मानसिक प्रताडऩा के गंभीर आरोप लगाए हैं।

विभाग को नोटिस : मामले को गंभीरता से लेते हुए कलेक्टर के निर्देश पर संबंधित अधिकारी को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। विभाग ने जांच शुरू कर दी है और जांच के बाद उचित कार्रवाई का भरोसा दिया है।

सरगुजा में सार्वजनिक स्वास्थ्य पर परिचर्चा,युवाओं की भूमिका पर जोर

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,28 मार्च 2026 (घटती-घटना)।

राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, अंबिकापुर में शनिवार को मुहिम फाउंडेशन के सहयोग से 'सरगुजा में सार्वजनिक स्वास्थ्य की चुनौतियां तथा सामुदायिक स्वास्थ्य में युवाओं की भूमिका विषय पर परिचर्चा आयोजित की गई। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता सार्वजनिक स्वास्थ्य विशेषज्ञ डॉ. अभिजीत गाडेवार रहे। उन्होंने सरल उदाहरणों के माध्यम से सार्वजनिक स्वास्थ्य का महत्व

समझाया और एक स्वास्थ्य कार्यकर्ता के लिए आवश्यक मूल्यों पर प्रकाश डाला। उन्होंने सरगुजा के मैनपाट क्षेत्र में अपने कार्यानुभव साझा करते हुए ग्रामीण व जनजातीय क्षेत्रों की चुनौतियों को रेखांकित किया। डॉ. गाडेवार ने विद्यार्थियों को सामाजिक मूल्यों, विशेषकर समानता (इक्विटी) को अपनाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि किसी भी क्षेत्र में कार्य करते समय सामाजिक जिम्मेदारी का ध्यान रखना आवश्यक है। महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. अनिल कुमार सिन्हा ने कहा कि इस तरह के कार्यक्रमों से विद्यार्थियों को व्यावहारिक अनुभव मिलता है।

वहीं समन्वयक डॉ. दीपक सिंह ने बताया कि यह पाठ्यक्रम युवाओं में नेतृत्व क्षमता विकसित करने का प्रयास है। मुहिम फाउंडेशन के संस्थापक ऋषिकेश ने कहा कि विद्यार्थियों को जमीनी स्तर पर काम करने वाले लोगों से सीखने का अवसर मिलना चाहिए। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने सक्रिय भागीदारी करते हुए प्रश्न पूछे और विषय को बेहतर तरीके से समझा।

क्राइम ब्रांच बनकर धमकाया शिक्षिका से 4.50 लाख की ठगी

अश्लील कंटेंट देखने का आरोप लगाकर डराया

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,28 मार्च 2026 (घटती-घटना)।

गांधीनगर थाना क्षेत्र में एक शिक्षिका के साथ ठगी का गंभीर मामला सामने आया है, जहां खुद को क्राइम ब्रांच रायपुर का अधिकारी बताकर अज्ञात व्यक्ति ने 4 लाख 50 हजार रुपए की ठगी कर ली। मामले में पुलिस ने अपराध दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पीड़ित शिक्षिका ने बताया कि 19 मार्च को कक्षा 5वीं की बोर्ड परीक्षा समाप्त होने के बाद जैसे ही वे घर पहुंचीं, उनके मोबाइल पर एक अज्ञात नंबर से कॉल आया। कॉल करने वाले ने खुद को क्राइम ब्रांच रायपुर का अधिकारी बताते हुए कहा कि वे गूगल पर अश्लील सामग्री देख रही हैं, जो कानूनन अपराध है। इसके बाद उसने तुरंत गिरफ्तारी की बात कहकर शिक्षिका को भयभीत कर दिया। आरोपी ने शिक्षिका को किसी से भी इस बारे में चर्चा न करने की सख्त हिदायत दी और गंभीर परिणाम भुगतने की धमकी दी। यहां तक कि हाथ-पैर की उंगलियां काट देने जैसी बात कहकर उन्हें मानसिक रूप से डरा दिया गया। डर के कारण शिक्षिका आरोपी के झांसे में आ गई और उसके द्वारा बताए गए मोबाइल नंबर एवं बैंक खातों में अलग-अलग तिथियों में रकम ट्रांसफर करती रही। 19 मार्च को तीन किश्तों में 1 लाख रुपए, 20 मार्च को 20 हजार रुपए, वहीं उनके पति द्वारा च्वाइस

सेंटर से 30 हजार और 40 हजार रुपए ट्रांसफर किए गए। इसके बाद 21 से 25 मार्च के बीच भी अलग-अलग किश्तों में 40 हजार, 45 हजार, 25 हजार, 40 हजार, 20 हजार, 50 हजार और 40 हजार रुपए ट्रांसफर किए गए। इस तरह कुल 4 लाख 50 हजार रुपए आरोपी के खाते में जमा करा दिए गए। आरोपी ने पैसे वापस करने का झांसा देते हुए कहा कि तीन दिन में राशि लौटाई जाएगी, लेकिन इसके बाद भी पैसे की मांग जारी रखी। लगातार बढ़ती मांग पर शिक्षिका को ठगी का एहसास हुआ और उन्होंने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। गांधीनगर थाना पुलिस ने मामले में बीएनएस की धारा 318(4) के तहत अपराध दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस ने लोगों से अपील की है कि इस तरह के कॉल से सावधान रहें और किसी भी अज्ञात व्यक्ति को पैसे ट्रांसफर न करें।

मुजफ्फरनगर में छत्तीसगढ़ टीम का प्रतिनिधित्व करते हुए सरगुजा की बेटियों का डंका

38वीं जूनियर नेशनल नेटबॉल प्रतियोगिता में जीता कांस्य पदक

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,28 मार्च 2026 (घटती-घटना)।

छत्तीसगढ़ प्रदेश टीम का प्रतिनिधित्व करते हुए नेटबॉल स्पोर्ट्स एसोसिएशन सरगुजा जिले की बेटियों ने 38 वीं जूनियर नेशनल नेटबॉल प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन करते हुए कांस्य पदक अपने नाम कर लिया है। यह प्रतियोगिता उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर में आयोजित की गई, जहां छत्तीसगढ़ की बालिका टीम ने अपने जुझारू खेल से सभी का ध्यान आकर्षित किया। राष्ट्रीय कोच राजेश प्रताप सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि सेमीफाइनल में पंजाब के खिलाफ 24-17 से हार मिलने के बावजूद टीम ने हिम्मत नहीं हारी। पांडीचेरी को संघर्षपूर्ण मुकाबले में दी शिकस्त तीसरे स्थान के लिए खेले गए मुकाबले में छत्तीसगढ़ टीम ने बेहद कड़े संघर्ष के बाद पांडीचेरी को पराजित कर कांस्य पदक हासिल किया। इस प्रतियोगिता

में सरगुजा जिले से बालिका वर्ग में सिमरन भगत एवं रुद्राक्षी जैन का चयन छत्तीसगढ़ टीम में हुआ था। सिमरन माउंट लिटरा जी स्कूल एवं रुद्राक्षी मोंटफोर्ट स्कूल अंबिकापुर में अध्यनरत है। दोनों खिलाड़ियों ने अपने प्रदर्शन से जिले का नाम रोशन किया। संघ के सचिव रजत सिंह ने बताया कि खिलाड़ियों का नियमित अभ्यास गांधी स्टेडियम स्थित बास्केटबॉल ग्राउंड में कराया जाता है। राज्य स्तरीय प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर इन खिलाड़ियों का चयन प्रदेश टीम में हुआ था। राष्ट्रीय प्रतियोगिता से पूर्व जांजगीर के खोखरा में आयोजित 10 दिवसीय विशेष प्रशिक्षण

शिविर ने इस सफलता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस उपलब्धि पर संघ के के.पी सिंह, गौरव सिंह, सौरभ सिंहा, हिंमाशु जायसवाल, नेहा सिंह, खुशबू गुप्ता समेत सरगुजा जिला बास्केटबॉल संघ परिवार व स्कूल के प्राचार्य ने बधाई एवं शुभकामनाएं प्रदान किया।

अस्पताल के जेल वार्ड में कैदी को दी जा रही थी विशेष सुविधा

शिकायत के बाद जेल अधीक्षक ने दो प्रहरी को किया निलंबित

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,28 मार्च 2026 (घटती-घटना)।

सेंट्रल जेल अंबिकापुर का सजायाफ्ता कैदी को अस्पताल में विशेष सुविधाएं दी जा रही थी। इलाज के नाम पर उसे अस्पताल के जेल वार्ड में भर्ती कराया गया था और वहां पूरा परिवार उसका खातिरदारी कर रहा था। शिकायत के बाद जांच में अनियमितता पाए जाने पर जेल अधीक्षक ने दो जेल प्रहरी को निलंबित कर दिया है। जानकारी के अनुसार महेंद्रगढ़ जेल से ट्रांसफर होकर अंबिकापुर आए एक कैदी को जेल चिकित्सक द्वारा गंभीर बीमारी का प्रमाण पत्र जारी कर मेडिकल कॉलेज अस्पताल के जेल वार्ड में भर्ती कराया गया था। इसके आधार पर जेल प्रबंधन ने कैदी के परिजनों को अटेंडेंट के रूप में साथ रहने और आने-जाने की अनुमति दे दी थी। आरोप है कि इस छूट का फायदा उठाकर कैदी को जेल वार्ड में मोबाइल, घर का खाना और मिनरल वाटर जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही थीं, जो नियमों के विपरीत है। मामले की शिकायत मिलने पर जेल अधीक्षक अक्षय सिंह राजपूत ने अस्पताल के जेल वार्ड का निरीक्षण किया। जांच में वार्ड का ताला खुला मिला और नियमों का उल्लंघन पाया गया। कार्रवाई

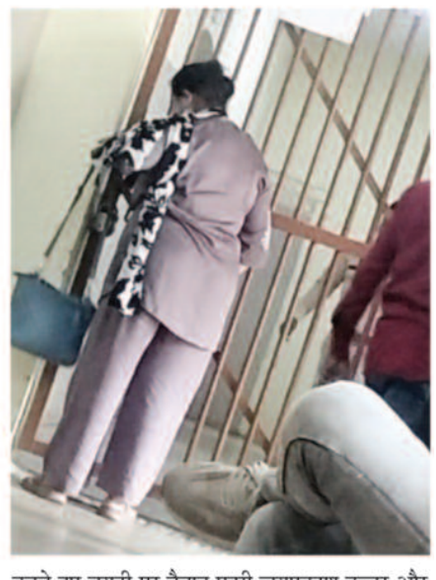

करते हुए ड्यूटी पर तैनात प्रहरी जयप्रकाश कुजूर और लोकनाथ निषाद को निलंबित कर दिया गया है। साथ ही कैदी के परिजनों को दी गई अटेंडेंट की अनुमति भी तत्काल प्रभाव से निरस्त कर दी गई है।

अंबिकापुर में भाजपा की अहम बैठक, 30 मार्च से मंडल प्रशिक्षण अभियान की तैयारी तेज

पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाभियान 2026 के तहत संगठन सुदृढ़ीकरण पर जोर

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,28 मार्च 2026 (घटती-घटना)।

भारतीय जनता पार्टी द्वारा संचालित पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाभियान 2026 के अंतर्गत 30 मार्च से प्रारंभ हो रहे मंडल प्रशिक्षण अभियान की तैयारियों को ले कर भाजपा जिला अध्यक्ष भारत सिंह सिसोदिया की अध्यक्षता एवं पूर्व जिलाध्यक्ष ललन प्रताप सिंह, केंद्रीय सहकारी बैंक के अध्यक्ष राम किशुन सिंह,अम्बिकेश केसरी,विनोद हर्ष, अरुणा सिंह,मधुसुदन शुक्ला,विकास पांडेय,फुलेश्वरी सिंह,निश्चल प्रताप सिंह एवं अनिल अग्रवाल की विशेष उपस्थिति में एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया । बैठक को संबोधित करते हुए भारत

सिंह सिसोदिया ने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाभियान संगठन की रीढ़ को मजबूत करने का माध्यम है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे प्रशिक्षण को गंभीरता से लें और इसे अपने व्यक्तित्व एवं संगठनात्मक दक्षता को निखारने का अवसर बनाएं। अपने संबोधन में ललन प्रताप सिंह ने कहा कि भाजपा का संगठनात्मक विस्तार और सफलता कार्यकर्ताओं के वैचारिक प्रशिक्षण पर आधारित है। उन्होंने मंडल स्तर तक मजबूत और सक्रिय टीम तैयार करने पर जोर दिया। भाजपा महामंत्री विनोद हर्ष ने मंडल प्रशिक्षण अभियान के कार्यक्रमो की जानकारी देते हुए अपने वक्तव्य में कहा कि प्रशिक्षण कार्यशालाएं कार्यकर्ताओं को पार्टी की विचारधारा, नीतियों और कार्यशैली से जोड़ने का सशक्त माध्यम हैं। उन्होंने कार्यक्रम को व्यवस्थित एवं समयबद्ध तरीके से सफल बनाने का आह्वान किया । वहीं मधुसूदन शुक्ला ने आगामी कार्यक्रमों के बारे में विस्तार से जानकारी देते हुए बताया कि आगामी 9 अप्रैल को भाजपा सरगुजा के शीर्ष पुरुषों में एक पंडित रविशंकर त्रिपाठी के पुण्य तिथि पर उनके मूर्ति का अनावरण किया जाएगा ।

वन विभाग में 'बजट क्लोजिंग' का खेल? कोरिया-एमसीबी में रेंजरों को अब तक नहीं मिला प्रभार

मार्च क्लोजिंग में 'बजट मैनेजमेंट'? नए रेंजरों को रोके रखने पर उठे सवाल

- प्रभार रुका,बजट दौड़ा ! वन विभाग में वित्तीय खेल की चर्चा तेज
- आदेश जारी, कुर्सी खाली...आखिर रेंजरों को चार्ज क्यों नहीं ?
- कोरिया-एमसीबी में प्रभार रोका गया या रोका गया है ? बजट पर बड़ा सवाल

राजन पाण्डेय

बैकुंठपुर/मनेन्द्रगढ़,28 मार्च 2026 (घटती-घटना)। छत्तीसगढ़ शासन द्वारा वन विभाग में बड़े पैमाने पर रेंजरों की नई पदस्थापना के आदेश जारी हुए दो सप्ताह से अधिक का समय बीत चुका है, लेकिन कोरिया और मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर (एमसीबी) जिले में अब तक नए रेंजरों को प्रभार नहीं सौंपा गया है, यह देरी अब केवल प्रशासनिक प्रक्रिया नहीं, बल्कि विभागीय कार्यप्रणाली और संभावित वित्तीय गतिविधियों पर गंभीर सवाल खड़े कर रही है, सूत्रों के अनुसार, इस देरी के पीछे सबसे बड़ा कारण वित्तीय वर्ष की समाप्ति यानी 'मार्च क्लोजिंग' से जुड़ा भारी-भरकम बजट बताया जा रहा है,चर्चा है कि वर्तमान में पदस्थ अधिकारी और रेंजर पुराने बिलों और निर्माण कार्यों के भुगतान को जल्दबाजी में निपटाने में जुटे हुए हैं, ताकि नए अधिकारियों के आने से पहले सभी वित्तीय प्रक्रियाएं पूरी कर ली जाएं।

मार्च क्लोजिंग और 'बजट' की बंदरबांट का अंदेशा

सूत्रों की मानें तो नए रेंजरों को चार्ज न सौंपने के पीछे मुख्य कारण 'मार्च क्लोजिंग' का भारी-भरकम बजट बताया जा रहा है, वित्तीय वर्ष की समाप्ति पर करोड़ों रुपये के बजट को ठिकाने लगाने की होड़ मची है,चर्चा है कि वर्तमान रेंजर और संबंधित अधिकारी पुराने बजट और लंबित बिलों के भुगतान को आनन-फानन में निपटाना चाहते हैं, ताकि नए अधिकारी के आने से पहले वित्तीय बंदरबांट में कोई अड़चन न आए।

गुरु घासीदास राष्ट्रीय उद्यानः निर्माण कार्यों में अचानक आई 'तेजी'

सबसे चौंकाने वाला मामला गुरु घासीदास राष्ट्रीय उद्यान से सामने आ रहा है, जहाँ निर्माण कार्यों की रफ्तार अचानक कई गुना बढ़ा दी गई है, स्थानीय जानकारों का कहना है कि गुणवत्ता को ताक पर रखकर दिन-रात निर्माण कार्य कराए जा रहे हैं ताकि ज्यादा से ज्यादा बजट खर्च दिखाया जा सके। वन विभाग पहले भी घटिया निर्माण कार्यों और गुणवत्ता की अनदेखी को लेकर सुर्खियों में रहा है,ऐसे में आनन-फानन में कराए जा रहे ये कार्य संदेह के घेरे में हैं।

क्या बजट खत्म होने के बाद ही मिलेगा नए रेंजरो को प्रभार ?-

शासन के स्थानांतरण आदेश और धरातल पर प्रभार के बीच की 15 दिनों की यह 'खामोशी' महज संयोग नहीं, बल्कि एक सोची-समझी रणनीति की ओर इशारा कर रही है,वन विभाग के गलियारों में चर्चा आम है कि जब तक वित्तीय वर्ष 2025-26 का 'बजट कोटा' पूरी तरह ठिकाने नहीं लग जाता, तब तक नए रेंजरों को कुर्सियां नसीब नहीं होंगी।

विश्लेषण के मुख्य बिंदु

'पुराने हाथ' और 'पुराने बिल': वर्तमान में पदस्थ रेंजरों और बाबूओं की जुगलबंदी पुराने निर्माण कार्यों और पेंडिंग बिलों को क्लियर करने में जुटी है,नया अधिकारी आने पर वह पुराने कार्यों की गुणवत्ता और बिलों की सत्यता पर सवाल उठा सकता है, जिससे बचने का सबसे आसान तरीका 'प्रभार में देरी' है।

बजट सरेंडर का डर

सरकारी प्रक्रिया में मार्च के अंत तक आवंटित बजट खर्च करना अनिवार्य होता है, अन्यथा वह लैप्स हो जाता है, इसी 'लैप्स' होने के डर को ढाल बनाकर बिना किसी ठोस मॉनिटरिंग के करोड़ों रुपये के भुगतान की फाइलें दौड़ाई जा रही हैं।

1 अप्रैल का इंतजार

जानकारों का मानना है कि जैसे ही 31 मार्च की आधी रात को वित्तीय वर्ष समाप्त होगा और 'खजाना' कागजों में खाली हो जाएगा,वैसे ही 1 अप्रैल से नवीन रेंजरों को चार्ज देने की प्रक्रिया में 'अचानक' तेजी आ जाएगी,यानी नए अधिकारियों को काम करने के लिए नया बजट तो मिलेगा, लेकिन पुराने कार्यों की जवाबदेही से वे बच जाएंगे।कड़वा सच-यदि प्रभार देने में इसी तरह की देहोतीरी होती रही, तो यह स्पष्ट हो जाएगा कि विभाग के लिए प्रशासनिक व्यवस्था से कहीं ज्यादा जरूरी 'बजट का प्रबंधन' है।

बजट ज्यादा महत्वपूर्ण या व्यवस्था?

कोरिया और एमसीबी में रेंजरों को प्रभार न मिलने की यह स्थिति केवल प्रशासनिक देरी नहीं, बल्कि एक बड़े सवाल की ओर इशारा करती है क्या विभाग के लिए प्रशासनिक व्यवस्था से ज्यादा महत्वपूर्ण 'बजट प्रबंधन' हो गया है? यदि 31 मार्च के बाद ही प्रभार सौंपा जाता है, तो यह संदेह और गहरा जाएगा कि पूरा खेल केवल वित्तीय वर्ष के अंत से जुड़ा हुआ था, अब नजर इस बात पर है कि शासन इस पूरे मामले को कैसे देखता है और क्या समय रहते पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए ठोस कदम उठाए जाते हैं।

प्रशासनिक आदेशों की अवहेलना

राज्य शासन द्वारा नवीन रेंजरों की पदस्थापना का आदेश जारी हुए 15 दिन से अधिक हो चुके हैं, नियमानुसार, आदेश के तत्काल बाद प्रभार का आदान-प्रदान हो जाना चाहिए था, लेकिन कोरिया और एम सी बी जिले में प्रभार न मिलना न केवल प्रशासनिक व्यवस्था पर सवाल उठाता है, बल्कि विभाग की कार्यप्रणाली को भी संदिग्ध बनाता है।

प्रमुख सवाल जो खड़े हो रहे हैं

- आखिर शासन के आदेश के बाद भी रेंजरों को प्रभार देने में देरी क्यों हो रही है?
- क्या बजट खपाने के लालच में नए अधिकारियों को फील्ड से दूर रखा जा रहा है?
- गुरु घासीदास राष्ट्रीय उद्यान में हो रहे निर्माण कार्यों की गुणवत्ता की जांच कौन करेगा?

सोनहत कार्यालय निर्माण में घटिया सामग्री का खेलः पुष्पेंद्र राजवाड़े-

कोरिया जन सहयोग समिति के अध्यक्ष पुष्पेंद्र राजवाड़े ने विभाग की कार्यप्रणाली पर गंभीर आरोप लगाते हुए मामले को गरमा दिया है, राजवाड़े का कहना है कि पार्क परिक्षेत्र सोनहत में निर्माणाधीन कार्यालय भवन में खुलेआम अनियमितता बरती जा रही है।

क्या है प्रमुख आरोप

घटिया निर्माण सामग्री- भवन निर्माण में मानक स्तर की सामग्री के बजाय दोयम दर्जे की ईंट और सीमेंट का उपयोग किया जा रहा है।

मार्च क्लोजिंग की जल्दबाजी

आरोप है कि मार्च क्लोजिंग के दबाव में बजट खपाने के लिए गुणवत्ता को ताक पर रखकर 'आनन-फानन' में काम निपटाया जा रहा है।

निगरानी का अभाव

नए रेंजरों को प्रभार न मिलने का फायदा उठाकर पुराने रक्षक और ठेकेदार आपसी मिलीभगत से इस खेल को अंजाम दे रहे हैं।

आग की लपटों में खाक होते जंगल, पर विभाग को 'बजट' की ज्यादा फिक्र!

एक तरफ मार्च के बजट को 'ठिकाने' लगाने के लिए निर्माण कार्यों में दिन-रात एक किया जा रहा है, वहीं दूसरी ओर कोरिया और एमसीबी के अलावा टाइगर रिजर्व के जंगलों में भड़की आग वन्यजीवों और वन संपदा को लील रही है,विडंबना देखिए कि विभाग का पूरा अमला इस वक्त 'फाइलों के प्रबंधन' और 'बजट खपाने' में व्यस्त है, जबकि मैदानी स्तर पर वनाग्नि रोकने के पुख्ता इंतजाम नदारद दिख रहे हैं।

जल्द होगा आंदोलन

'हम इस भ्रष्टाचार को बर्दाश्त नहीं करेंगे, यदि निर्माण कार्यों की उच्च स्तरीय जांच कर दोषियों पर कार्रवाई नहीं हुई और गुणवत्ता नहीं सुधारी गई, तो समिति उग्र आंदोलन के लिए बाध्य होगी। '

पुष्पेंद्र राजवाड़े, अध्यक्ष
(कोरिया जन सहयोग समिति)

संस्कार या सियासत? मंत्री की बेटी के चरण स्पर्श पर छिड़ी नई बहस

पीएम से मुलाकात और 'संस्कार' पर सियासत मंत्री की बेटी के चरण स्पर्श पर भड़का विवाद

सोशल मीडिया पोस्ट पर कांग्रेस नेता का कटाक्ष,नारी सम्मान बनाम भारतीय परंपरा की बहस तेज

-रवि सिंह-

मनेंद्रगढ़/एमसीबी 28 मार्च 2026 (घटती-घटना)।

प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल की प्रधानमंत्री से हुई पारिवारिक मुलाकात अब राजनीतिक बहस का विषय बन गई है,मंत्री ने सोशल मीडिया पर जानकारी साझा करते हुए बताया कि वे अपने परिवार के साथ दिल्ली पहुंचे और अपनी बेटी के विवाह का निमंत्रण प्रधानमंत्री को दिया, इस दौरान उनकी बेटी ने प्रधानमंत्री के चरण स्पर्श कर आशीर्वाद लिया,जिसे मंत्री ने भारतीय संस्कार का प्रतीक बताया। बात दे की वहीं इस सोशल मीडिया पोस्ट को लेकर एक कटाक्ष भी सोशल मीडिया पर अब साझा हुआ है जो एक कांग्रेस पार्टी एमसीबी के नए नवेले नेता का पोस्ट है जिन्होंने ने स्वास्थ्य मंत्री के पोस्ट को लेकर एक कहानी लिखी है,यह आलोचनात्मक है जिसमें उन्होंने देश के प्रधानमंत्री पर नारी सम्मान का आदर न करने का आरोप लगाया है, यह आरोप लगाते हुए कांग्रेस नेता ने लिखा है कि प्रधानमंत्री केवल कैमरे के सामने ही महिला सम्मान की बात करते हैं, कैमरे की लाइट बंद होते ही वह सम्मान की बजाए अनादर करते हैं,कांग्रेस नेता ने लिखा है कि की इस नारी अपमान को कुछ लोग भारतीय संस्कृति और संस्कार बताकर परोसते हैं और जनता को बेवकूफ बनाते हैं,कांग्रेस नेता ने ऐसा लिखकर स्वास्थ्य मंत्री के उस सोशल मिडिया पोस्ट पर कटाक्ष किया है जो उन्होंने साझा किया है,जहां उन्होंने अपनी बिटिया के द्वारा प्रधानमंत्री के पैर छूने की घटना को संस्कार और संस्कृति बताया है,स्वास्थ्य मंत्री सहित प्रधानमंत्री को लेकर कांग्रेस नेता का यह सोशल मीडिया पोस्ट वैसे कांग्रेस नेता के किस खीज का नतीजा है यह तो पता नहीं लेकिन उन्होंने पूरे मामले में भाजपा को प्रधानमंत्री को दोहरा चरित्र वाला निरूपित किया है।

सोशल मीडिया पोस्ट से बढ़ी राजनीतिक गर्माहट- मंत्री द्वारा साझा इस पोस्ट के सामने आते ही मामला सोशल मीडिया पर तेजी से फैल गया, जहां एक ओर इसे सामान्य पारिवारिक परंपरा और संस्कार बताया गया, वहीं दूसरी ओर इस पर राजनीतिक प्रतिक्रिया भी सामने आ गई,एक कांग्रेस नेता ने इस घटना को लेकर सोशल मीडिया पर कटाक्ष करते हुए इसे नारी सम्मान से जोड़ दिया और प्रधानमंत्री पर भी अप्रत्यक्ष टिप्पणी की,उनके पोस्ट में कहा गया कि महिला सम्मान केवल दिखावे तक सीमित है और इस तरह की घटनाओं को संस्कार बताकर प्रस्तुत किया जाता है।

नारी सम्मान बनाम भारतीय परंपरा की बहस- इस पूरे घटनाक्रम ने एक व्यापक सामाजिक बहस को जन्म दे दिया है, एक पक्ष का मानना है कि बड़ों के चरण स्पर्श कर आशीर्वाद लेना भारतीय संस्कृति का हिस्सा है, जिसमें बेटियां भी समान रूप से शामिल होती हैं, वहीं दूसरा पक्ष इसे आधुनिक दृष्टिकोण से देख रहा है और इसे नारी सम्मान से जोड़कर सवाल उठा रहा है, यानी यह मामला अब केवल एक तस्वीर या पोस्ट तक सीमित नहीं रहा, बल्कि 'संस्कार बनाम सम्मान' की बहस में बदल गया है।

राजनीतिक पृष्ठभूमि भी चर्चा में- स्थानीय स्तर पर यह भी चर्चा है कि संबंधित कांग्रेस नेता पहले भी स्वास्थ्य मंत्री के खिलाफ सक्रिय रहे हैं, हाल ही में उन्होंने एक अन्य मुद्दे को लेकर मंत्री के आवास के सामने धरना भी दिया था, इसके अलावा, उनके परिवार से जुड़े एक मामले में विभागीय जांच पूरी होने और संभावित कार्रवाई की बात भी सामने आ रही है, ऐसे में इस सोशल मीडिया पोस्ट को कुछ लोग व्यक्तिगत और राजनीतिक पृष्ठभूमि से भी जोड़कर देख रहे हैं।

सोशल मीडिया से सियासत तक पहुंचा मामला- एक साधारण पारिवारिक क्षण, जो सामान्यतः चर्चा का विषय नहीं बनता, वह अब राजनीतिक बहस का केंद्र बन चुका है,सोशल मीडिया पर शुरू हुआ यह विवाद अब राजनीतिक गलियारों में भी चर्चा का विषय बन गया है,जहां हर पक्ष अपने-अपने नजरिए से इसे प्रस्तुत कर रहा है।

संस्कार,सम्मान और राजनीति का टकराव

यह पूरा मामला इस बात का उदाहरण बन गया है कि कैसे एक सामान्य सामाजिक व्यवहार भी राजनीतिक व्याख्या का हिस्सा बन सकता है,जहां एक ओर इसे भारतीय संस्कार के रूप में देखा जा रहा है, वहीं दूसरी ओर इसे आधुनिक नजरिए से परखा जा रहा है, फिलहाल, यह स्पष्ट है कि यह विवाद केवल एक घटना तक सीमित नहीं,बल्कि समाज, राजनीति और विचारधाराओं के बीच चल रही बहस का हिस्सा बन चुका है।

अगर कांग्रेस जिला नहीं बनाती तो मंत्री जी आज आप जिला पंचायत भवन का भूमि पूजन नहीं कर रहे होते : गुलाब कमरो

-संवाददाता-

मनेंद्रगढ़/एमसीबी,28 मार्च 2026 (घटती-घटना)।

मनेंद्रगढ़ चिरमिरी भरतपुर जिले में मनेंद्रगढ़ के चैनपुर में प्रस्तावित जिला पंचायत भवन के भूमि पूजन कार्यक्रम में क्षेत्र के विधायक और प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल द्वारा दिए गए बयान कि 'कांग्रेस ने केवल कागजों में जिला बनाया और आईटीआई में प्रभारी कलेक्टर बैठाकर चले गए '– जिस पर पूर्व विधायक गुलाब कमरो ने कड़ा पलटवार किया है।

गुलाब कमरो ने मंत्री के बयान को 'भ्रामक और झूठ पर आधारित' बताते हुए कहा कि 'मंत्री जी और कितना झूठ बोलेंगे? पूरे जिले की जनता सच्चाई जानती है कि वर्षों पुरानी मांग को पिछली कांग्रेस सरकार ने ही पूरा किया था, उन्होंने स्पष्ट किया कि जिले के गठन के बाद प्रशासनिक व्यवस्थाएं पूरी तरह स्थापित की गई थीं, कमरो के अनुसार, कांग्रेस सरकार के दौरान कलेक्टर के रूप में पी.एस. ध्रुव और नरेंद्र दुग्गा जैसे अधिकारी पदस्थ रहे, जबकि पुलिस अधीक्षक के रूप में टी.आर. कोशिमा, सिद्धार्थ तिवारी और चंद्र मोहन सिंह ने अपनी सेवाएं दीं,इसके अलावा अन्य विभागों की भी विधिवत स्थापना की गई थी,जिससे जिला सुचारू रूप से संचालित हो रहा था,कमरो ने यह भी बताया कि शुरुआती समय में कोरिया जिले से कुछ अधिकारियों को प्रभार दिया गया था, जो सामान्य प्रशासनिक प्रक्रिया का हिस्सा होता है और नए जिले के संचालन में सहायक होता है,उन्होंने मंत्री की जानकारी पर सवाल उठाते हुए कहा कि '15 वर्षों तक रमन सिंह की सरकार रही, खुद मंत्री जी भी उस समय विधायक थे, जब कोरिया जिला था, तब आखिर नया जिला क्यों नहीं बनवाया गया? पूर्व विधायक ने आगे कहा कि यदि कांग्रेस सरकार ने जिला निर्माण की प्रक्रिया पूरी नहीं की होती, तो आज मंत्री जी जिला पंचायत के भूमिपूजन नहीं कर रहे होतेमेडिकल कॉलेज के मुद्दे पर भी कमरो ने मंत्री को घेरते हुए कहा कि इसकी घोषणा भी कांग्रेस सरकार के समय की गई थी और उसे बजट में शामिल किया गया था, पूर्व विधायक गुलाब कमरों ने कहा कि भाजपा के नेता कांग्रेस की सरकार में स्वीकृत किए गए कार्यों का भूमि पूजन करके अपनी वाह वाही लूट रहे हैं ठीक है।

मुख्यमंत्री ने स्पोर्ट्स क्लाइंबिंग वॉल इंडोर स्टेडियम का किया शुभारंभ

-संवाददाता-

जशपुरनगर,28 मार्च 2026 (घटती-घटना)।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने आज जिला अस्पताल के पास 27 लाख की लागत से स्पोर्ट्स क्लाइंबिंग वॉल इंडोर स्टेडियम का शुभारंभ किया। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष सालिक, अध्यक्ष रामप्रताप सिंह उपाध्यक्ष यश प्रताप सिंह जुदेव जिला पंचायत उपाध्यक्ष शोर्य प्रताप सिंह जुदेव, कलेक्टर रोहित व्यास,वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ लाल उम्मेद सिंह ,जिला पंचायत सीईओ अभिषेक कुमार डीएफओ शशि कुमार,

विजय आदित्य सिंह जुदेव और आर ई के अधिकारी राजेश श्रीवास्तव खिलाड़ी और कोच उपस्थित थे। जिला प्रशासन और देशदेखा स्पोर्ट्स क्लाइंबिंग समूह के सहयोग से जशपुर के इच्छुक खिलाड़ियों को पहाड़ में किस प्रकार चढ़ना है उसका प्रशिक्षण दिया जाएगा। वर्तमान में समूह में 15 सदस्य शामिल हैं। इनमें से 5 मास्टर ट्रेनर द्वारा प्रशिक्षण दिया जा रहा है। स्पोर्ट्स क्लाइंबिंग वॉल के मास्टर ट्रेनर रवि कुमार सिंह ने बताया कि इनडोर स्टेडियम में आधुनिक पद्धति से और सभी सुरक्षा मानकों का पालन करते हुए प्रशिक्षण दिया जाएगा। प्रशिक्षण देने वाले मास्टर ट्रेनर रवि कुमार सिंह प्रोफेशनल क्लाइंबिंग गाइड इंस्टीट्यूट पीसीजीआई यूएस अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त संस्था से प्रशिक्षण प्रमाण पत्र प्राप्त किए हैं। तेजल भगत,रूसनाथ भगत, सचिन कुजुर प्रतीक नायक शामिल हैं।

CMYK

गांव-गांव देवालय, हर मंच पर मौजूदगी

अशोक जायसवाल की बढ़ती सक्रियता ने बढ़ाई सियासी हलचल

- नवरात्रि में गांव-गांव पहुंचे अशोक जायसवाल,बढ़ी सियासी सक्रियता
- देवालयों से जनता तक:अशोक जायसवाल की सक्रियता ने बढ़ाई राजनीतिक हलचल
- आस्था के बहाने जनसंपर्क,बैकुंठपुर में सक्रिय हुए अशोक जायसवाल
- मंदिर-मंदिर पहुंचे अशोक जायसवाल,टिकट दावेदारी को लेकर तेज हुई चर्चा
- हर मंच पर मौजूदगी:अशोक जायसवाल की बढ़ती सक्रियता ने खींचा ध्यान
- नवरात्रि में जनसंपर्क का अभियान,अशोक जायसवाल ने मजबूत की पकड़
- गांव-गांव संपर्क,हर कार्यक्रम में उपस्थिति–सियासत में उभरे अशोक जायसवाल
- आस्था और राजनीति का संगम:अशोक जायसवाल की सक्रियता चर्चा में
- बैकुंठपुर की सियासत में हलचल,अशोक जायसवाल की बढ़ती मौजूदगी
- नवरात्रि में दिखी सक्रियता,अशोक जायसवाल की दावेदारी हुई मजबूत

-रवि सिंह-

बैकुंठपुर,28 मार्च 2026 (घटती-घटना)।

चैत्र नवरात्रि के पावन अवसर पर बैकुंठपुर क्षेत्र में कांग्रेस नेता एवं पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष अशोक जायसवाल की सक्रियता इन दिनों चर्चा के केंद्र में है,धार्मिक आस्था के इस पर्व को उन्होंने जनसंपर्क के अवसर में बदलते हुए गांव-गांव पहुंचकर अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज कराई है।

नवरात्रि के नौ दिनों के दौरान अशोक जायसवाल ने क्षेत्र के विभिन्न मंदिरों और देवालयों में पहुंचकर पूजा-अर्चना की और स्थानीय लोगों से सीधा संवाद स्थापित किया, पटना क्षेत्र से लेकर पोड़ी-बचरा तक उनके लगातार दौरे ने यह संकेत दिया कि वे न केवल धार्मिक आयोजनों में रुचि ले रहे हैं, बल्कि जनसंपर्क को भी प्राथमिकता दे रहे हैं।

आस्था के बहाने सियासी मजबूती - नवरात्रि के दौरान की गई यह सक्रियता केवल धार्मिक आस्था का प्रदर्शन नहीं,बल्कि एक सोची-समझी राजनीतिक रणनीति का हिस्सा भी मानी जा रही है,गांव-गांव जाकर जनता से जुड़ना, हर कार्यक्रम में उपस्थित रहना और संगठन के साथ तालमेल बनाए रखना–ये सभी संकेत इस ओर इशारा करते हैं कि अशोक जायसवाल आने वाले समय में बैकुंठपुर की राजनीति में एक मजबूत दावेदार के रूप में उभर रहे हैं,आने वाले विधानसभा चुनावों में उनकी भूमिका क्या होगी,यह तो समय बताएगा,लेकिन फिलहाल उनकी सक्रियता ने क्षेत्र की सियासत में हलचल जरूर बढ़ा दी है।

आस्था के साथ जनसंपर्क का विस्तार

नवरात्रि के दौरान मंदिरों में पहुंचना केवल एक धार्मिक गतिविधि तक सीमित नहीं रहा,बल्कि यह आम जनता से जुड़ने का माध्यम भी बना। अशोक जायसवाल ने श्रद्धालुओं से मुलाकात कर उन्हें नवरात्रि और रामनवमी की शुभकामनाएं दीं,स्थानीय लोगों ने उनकी इस पहल को सकारात्मक रूप से लिया,ग्रामीण क्षेत्रों में उनकी उपस्थिति ने यह संदेश दिया कि वे जमीनी स्तर पर सक्रिय हैं और जनता के बीच लगातार बने रहना चाहते हैं।

हर कार्यक्रम में उपस्थिति,संगठन में बढ़ती पकड़

धार्मिक आयोजनों के साथ-साथ उनकी राजनीतिक सक्रियता भी स्पष्ट रूप से बढ़ती दिखाई दे रही है,पार्टी के छोटे-बड़े सभी कार्यक्रमों में उनकी उपस्थिति लगातार दर्ज हो रही है, चाहे स्थानीय बैठकें हों,जिला स्तरीय आयोजन हों या राज्य स्तर के कार्यक्रम–हर जगह उनकी भागीदारी नजर आ रही है,इसके अलावा विभिन्न धरना-प्रदर्शनों में भी वे अपने समर्थकों के साथ शामिल होकर पार्टी के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दर्शा रहे हैं, यह निरंतर सक्रियता उन्हें संगठन के भीतर एक मजबूत और भरोसेमंद नेता के रूप में स्थापित कर रही है।

टिकट दावेदारी को लेकर बढ़ी चर्चा

सूत्रों के अनुसार, बैकुंठपुर विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस के संभावित उम्मीदवारों में अशोक जायसवाल का नाम प्रमुखता से सामने आ रहा है, उनकी हालिया सक्रियता को इसी राजनीतिक संदर्भ में देखा जा रहा है, लगातार जनसंपर्क,कार्यक्रमों में सहभागिता और संगठन के प्रति समर्पण उनकी दावेदारी को मजबूत बना रहे हैं,राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि इस तरह की जमीनी सक्रियता चुनावी दृष्टि से काफी महत्वपूर्ण होती है और यह पार्टी नेतृत्व का ध्यान आकर्षित करने में भी सहायक होती है।

अनुशासित और कर्मठ छवि

अशोक जायसवाल को पार्टी के अनुशासित और कर्मठ नेताओं में गिना जाता है। वे पार्टी लाइन का पालन करते हुए संगठन को मजबूत करने पर जोर देते हैं,सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि वे गुटबाजी से दूर रहकर काम करने की कोशिश करते हैं,जो वर्तमान राजनीतिक परिदृश्य में एक सकारात्मक पहलू माना जाता है, उनकी यह छवि उन्हें पार्टी के भीतर एक संतुलित और विश्वसनीय नेता के रूप में स्थापित करती है।

व्यवसाय से राजनीति तक मजबूत पकड़

एक सफल व्यवसायी होने के साथ-साथ अशोक जायसवाल ने राजनीति में भी अपनी अलग पहचान बनाई है,वे लंबे समय से कांग्रेस से जुड़े हुए हैं और संगठन के प्रति उनकी निष्ठा स्पष्ट रूप से दिखाई देती है, क्षेत्र में लगातार दौरे,जनसंपर्क और सक्रिय भागीदारी के माध्यम से वे अपनी पकड़ मजबूत करने में जुटे हुए हैं।

डायल 112 को और तेज़ व प्रभावी बनाने की पहल

रक्षित केंद्र बैकुंठपुर में एक दिवसीय कार्यशाला संपन्न

-संवाददाता-

बैकुंठपुर,28 मार्च 2026 (घटती-घटना)।

आपातकालीन सेवाओं को अधिक प्रभावी,त्वरित और जनसुलभ बनाने के उद्देश्य से रक्षित केंद्र बैकुंठपुर में डायल 112 की एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया,इस कार्यशाला में विभागीय अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर अपनी सक्रिय सहभागिता दर्ज कराई।

कार्यक्रम के दौरान डायल 112 सेवा की कार्यप्रणाली, त्वरित प्रतिक्रिया प्रणाली तथा आम नागरिकों को मिलने वाली सुविधाओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। रक्षित निरीक्षक विपुल आनंद जांगड़े ने बताया कि डायल 112 के माध्यम से पुलिस,अग्निशमन एवं एम्बुलेंस जैसी सभी आपातकालीन सेवाएं एक ही नंबर पर तत्काल उपलब्ध कराई जाती हैं,जिससे संकट की स्थिति में शीघ्र सहायता सुनिश्चित हो पाती है,कार्यशाला में सेवा की गुणवत्ता सुधारने,तकनीकी संसाधनों को सुदृढ़ करने तथा विभिन्न विभागों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने पर विशेष जोर दिया गया, साथ ही प्रतिक्रिया समय को कम करने और आम जनता तक सेवा की पहुंच बढ़ाने के व्यावहारिक उपायों पर भी विस्तृत चर्चा की गई,अंत में कर्मचारियों से सुझाव लिए गए और भविष्य में डायल 112 सेवा को और अधिक प्रभावी, पारदर्शी और जनहितकारी बनाने का सामूहिक संकल्प लिया गया,यह कार्यशाला पुलिस अधीक्षक रवि कुर्रे एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक डॉ. सुरेशा चौबे के निर्देशन तथा अनुविभागीय अधिकारी (पुलिस) राजेश साहू के पर्यवेक्षण में रक्षित निरीक्षक विपुल आनंद जांगड़े द्वारा सफलतापूर्वक संपन्न कराई गई।

खेलो इंडिया ट्राईबल गेम्स 2026: सरगुजा में कुश्ती स्पर्धा की शानदार शुरुआत

पहले दिन में देशभर से आए पहलवानों के बीच हुआ रोमांचक मुकाबला

-संवाददाता-

अम्बिकापुर,28 मार्च 2026 (घटती-घटना)।

खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स-2026 के अंतर्गत आज चौथे दिन सरगुजा जिले के अम्बिकापुर में कुश्ती प्रतियोगिता की शानदार शुरुआत हुई। अम्बिकापुर के गांधी स्टेडियम में आयोजित प्रतियोगिता में देश के 30 राज्यों से आए 144 खिलाड़ी शामिल हो रहे हैं। प्रतियोगिता के शुरुआत के साथ ही पहले दिन खिलाड़ियों के बीच रोमांचक मुकाबला हुआ। युवा पहलवानों ने अपनी तकनीक एवं रणनीति का जबरदस्त प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता के पहले दिन पुरुष फ्रीस्टाइल सीनियर में 74 किलोग्राम भारवर्ग में जम्मू कश्मीर के मुनैर हुसैन एवं महाराष्ट्र के विक्रम साहेबराव पवार ने विभिन्न पड़ाव में जीत हासिल कर फाइनल मुकाबले में अपनी जगह बनाई। इसी प्रकार फ्रीस्टाइल सीनियर में 125 किलोग्राम भारवर्ग में तेलंगाना के बनोथ विनोदकुमार एवं महाराष्ट्र के विनोद यशवंत सलकार विजेता रहे, जिनके बीच आगे फ़ाइनल मुकाबला होगा। ग्रीको रोमन सीनियर 67 किलोग्राम भारवर्ग में गुजरात के वसावा मुकेशभाई एवं झारखंड के अंजीतकर मुंडा तथा 97 किलोग्राम भारवर्ग में हिमाचल प्रदेश के नवीश कुमार एवं जम्मू कश्मीर के शमा हुन के बीच आगे फ़ाइनल मुकाबले होंगे। आज विभिन्न राउंड में विजेता रहीं महिला सीनियर 50 किलोग्राम भारवर्ग में झारखण्ड की पूनम ओरांव एवं तेलंगाना की के.गीता के बीच फाइनल मुकाबले होंगे। महिला सीनियर 62 किलोग्राम भारवर्ग में असम की देबी दैमारी एवं हिमाचल की प्रियंका चौधरी के बीच फाइनल मुकाबला होगा।

फीडबैक बना आधार,तबादला तय...सरगुजा संभाग में हलचल तेज

परफॉर्मेंस या पॉलिटिक्स...प्रदेश में बड़े तबादले की तैयारी

जनप्रतिनिधियों के फीडबैक पर एक्शन...कई जिलों में प्रशासनिक बदलाव तय

सरगुजा बना फेरबदल का केंद्र! कोरिया-एमसीबी में बदलाव की सबसे ज्यादा चर्चा

शासन की नजर रिपोर्ट कार्ड पर:कमजोर जिलों में बदलाव लगभग तय

प्रदेश में बड़ा प्रशासनिक फेरबदल तय

कोरिया कलेक्टर-सीईओ बदलने की चर्चा तेज

सरगुजा संभाग में बड़ा बदलाव तय, 2-3 कलेक्टरों की छुट्टी की चर्चा तेज

परफॉर्मेंस पर गिर सकती गाज,कोरिया समेत कई जिलों में कलेक्टर बदलने की तैयारी

शासन की बड़ी तैयारी :कोरिया-एमसीबी में प्रशासनिक बदलाव के संकेत

-न्यूज डेस्क-

सरगुजा/कोरिया,28 मार्च 2026 (घटती-घटना)।

प्रदेश में प्रशासनिक फेरबदल को लेकर लंबे समय से चल रही चर्चाएं अब तेज हो गई हैं, शासन स्तर पर उच्च अधिकारियों की बैठकों और हालिया समीक्षा के बाद यह संकेत मिल रहे हैं कि राज्य सरकार बड़े स्तर पर तबादले की तैयारी में है। सूत्रों के अनुसार, यह फेरबदल केवल औपचारिक नहीं होगा, बल्कि इसका सीधा असर कई जिलों की प्रशासनिक व्यवस्था पर पड़ेगा, खासतौर पर सरगुजा संभाग इस संभावित बदलाव के केंद्र में नजर आ रहा है, यहां दो से तीन जिलों के कलेक्टरों को बदले जाने की चर्चा प्रशासनिक गलियारों में जोर पकड़ चुकी है, इसके साथ ही कुछ जिला पंचायत सीईओ भी इस सूची में शामिल हो सकते हैं।

क्यों जरूरी हुआ यह फेरबदल? सूत्रों के अनुसार, यह संभावित तबादला कई कारणों से महत्वपूर्ण माना जा रहा है...

- योजनाओं के क्रियान्वयन की समीक्षा:कई जिलों में योजनाओं की प्रगति अपेक्षित स्तर तक नहीं पहुंच पाई है।
- प्रशासनिक समन्वय की कमी:विभागों के बीच तालमेल की कमी की शिकायतें सामने आई हैं।
- जनप्रतिनिधियों का फीडबैक:स्थानीय जनप्रतिनिधियों से मिले फीडबैक को भी गंभीरता से लिया गया है।
- राजनीतिक और प्रशासनिक संतुलन:आगामी समय को देखते हुए सरकार प्रशासनिक स्तर पर संतुलन बनाना चाहती है।

तबादला सूची इस सप्ताह संभव

सूत्रों का कहना है कि तबादला सूची लगभग तैयार हो चुकी है और अंतिम स्तर पर विचार-विमर्श चल रहा है, यदि सब कुछ तय समय के अनुसार हुआ,तो इस सप्ताह ही सूची जारी की जा सकती है,हालांकि,आधिकारिक तौर पर अभी तक कोई पुष्टि नहीं हुई है,लेकिन जिस तरह से तैयारियां चल रही हैं, उससे यह साफ है कि बदलाव अब दूर नहीं है।

फेरबदल का क्या होगा असर

यदि यह प्रशासनिक फेरबदल होता है, तो इसका सीधा असर जिलों की कार्यप्रणाली पर पड़ेगा,नए अधिकारियों के आने से योजनाओं में तेजी आ सकती है,प्रशासनिक कार्यशैली में बदलाव देखने को मिल सकता है, स्थानीय स्तर पर नई प्राथमिकताएं तय हो सकती हैं।

बदलाव की आहट स्पष्ट

प्रदेश में प्रशासनिक फेरबदल अब केवल चर्चा नहीं, बल्कि वास्तविकता के करीब नजर आ रहा है, कोरिया, एमसीबी और सरगुजा संभाग के अन्य जिलों में संभावित बदलाव यह संकेत दे रहे हैं कि सरकार प्रशासनिक व्यवस्था को नए सिरे से व्यवस्थित करने की दिशा में कदम बढ़ा रही है,अब नजर इस बात पर टिकी है कि सूची कब जारी होती है और किन अधिकारियों को नई जिम्मेदारियां मिलती हैं।

कोरिया जिले में बदलाव की सबसे ज्यादा चर्चा

कोरिया जिले को लेकर सबसे अधिक चर्चा है,यहां कलेक्टर और जिला पंचायत सीईओ दोनों के बदले जाने की संभावना जताई जा रही है, पिछले कुछ समय से जिले में प्रशासनिक कार्यशैली,योजनाओं के क्रियान्वयन और समन्वय को लेकर लगातार फीडबैक शासन स्तर तक पहुंच रहा था,सूत्र बताते हैं कि सरकार इस बार 'परफॉर्मेंस बेस्ड' फेरबदल पर जोर दे रही है, ऐसे में जिन जिलों में योजनाओं की प्रगति अपेक्षित स्तर पर नहीं रही या जहां प्रशासनिक समन्वय में कमी देखी गई, वहां बदलाव तय माना जा रहा है।

सरगुजा संभाग में व्यापक असर के संकेत

सरगुजा संभाग के कई जिलों में इस फेरबदल का असर देखने को मिल सकता है, माना जा रहा है कि कम से कम दो से तीन कलेक्टरों को बदला जाएगा, यह बदलाव केवल पदस्थापन का नहीं, बल्कि प्रशासनिक संतुलन साधने का प्रयास भी माना जा रहा है। शासन की प्राथमिकता ऐसे अधिकारियों को जिम्मेदारी देना है, जो जमीनी स्तर पर तेजी से काम कर सकें और योजनाओं के क्रियान्वयन में गति ला सकें।

एमसीबी जिले में भी हलचल

मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर (एमसीबी) जिले में भी इस संभावित फेरबदल को लेकर चर्चाएं तेज हैं,यहां प्रशासनिक स्तर पर बदलाव की संभावना जताई जा रही है,एमसीबी नया जिला होने के कारण यहां प्रशासनिक संरचना को मजबूत करने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है,ऐसे में यदि यहां बदलाव होता है,तो यह जिले की कार्यप्रणाली को नई दिशा देने के प्रयास के रूप में देखा जाएगा।

शिक्षा की गुणवत्ता परखने मैदान में उतरे अफसर

कलेक्टर-एसएसपी-डीएफओ ने किया पीएम श्री स्कूलों का निरीक्षण

जिले के तीन पीएम श्री विद्यालयों में व्यवस्थाओं और पढ़ाई का लिया जायजा,कमियों पर दिए सुधार के निर्देश

-संवाददाता-

सूरजपुर,28 मार्च 2026 (घटती-घटना)।

जिले में शिक्षा की गुणवत्ता को बेहतर बनाने और पीएम श्री योजना के प्रभावी क्रियान्वयन की समीक्षा के लिए वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी स्वयं विद्यालयों में पहुंचकर निरीक्षण कर रहे हैं, इस क्रम में कलेक्टर, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक और डीएफओ ने अलग-अलग विद्यालयों का दौरा कर शैक्षणिक व्यवस्था, आधारभूत सुविधाओं और संचालन का प्रत्यक्ष मूल्यांकन किया।

केंद्र और राज्य सरकार की महत्वाकांक्षी पीएम श्री योजना के तहत विद्यालयों को आधुनिक संसाधनों से सुसज्जित कर गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने का लक्ष्य रखा गया है, इसी उद्देश्य से राज्य सरकार ने जिलों के वरिष्ठ अधिकारियों को राज्य नोडल अधिकारी (SNO-PM SHRI) के रूप में नियुक्त किया है। सूरजपुर जिले में कलेक्टर एस. जयवर्धन, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक प्रशांत कुमार ठाकुर और डीएफओ डी. पी. साहू को यह जिम्मेदारी सौंपी गई है।

निरीक्षण के दौरान कलेक्टर एस. जयवर्धन ने सूरजपुर विकासखंड के पीएम श्री विद्यालय जयनगर का दौरा किया। उन्होंने विद्यालय में निर्धारित 24 बिंदुओं पर विस्तृत समीक्षा की और व्यवस्थाओं की बारीकी से जांच की। निरीक्षण के दौरान उन्होंने कमियों को चिन्हित करते हुए प्राचार्य को आवश्यक सुधार के निर्देश दिए और शैक्षणिक गुणवत्ता बढ़ाने पर विशेष जोर दिया।

इसी क्रम में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक प्रशांत कुमार ठाकुर ने पीएम श्री प्राथमिक शाला राजापुर का निरीक्षण किया, उन्होंने विद्यालय की शैक्षणिक गतिविधियों,छात्रों की उपस्थिति और उपलब्ध संसाधनों का जायजा लिया। वहीं डीएफओ डी. पी. साहू ने ओड़गी विकासखंड के पीएम श्री सेजस ओडगी विद्यालय का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं की समीक्षा की और आवश्यक सुझाव दिए।

वरिष्ठ अधिकारियों का स्वयं विद्यालयों में पहुंचकर निरीक्षण करना इस बात का संकेत है कि प्रशासन शिक्षा की गुणवत्ता को लेकर गंभीर है और इसे प्राथमिकता के रूप में देख रहा है। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने न केवल व्यवस्थाओं का मूल्यांकन किया बल्कि यह भी सुनिश्चित करने का प्रयास किया कि पीएम श्री योजना के तहत निर्धारित मानकों का पालन हो रहा है या नहीं। इस दौरान डीएमसी समग्र शिक्षा मनोज कुमार साहू, विकासखंड शिक्षा अधिकारी हरेंद्र सिंह, खंड स्रोत समन्वयक मनोज मंडल सहित अन्य संबंधित अधिकारी भी उपस्थित रहे और निरीक्षण प्रक्रिया में सहयोग किया।

गौरतलब है कि प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में आयोजित 50वीं PRAGATI बैठक में पीएम श्री विद्यालयों के नियमित निरीक्षण के लिए संयुक्त सचिव स्तर और उससे वरिष्ठ अधिकारियों की टीम गठित करने के निर्देश दिए गए थे। उसी के अनुपालन में यह निरीक्षण अभियान संचालित किया जा रहा है। पीएम श्री योजना के तहत चयनित विद्यालयों में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप स्मार्ट क्लासरूम,आईसीटी लैब,अटल टिंकरिंग लैब और आधुनिक खेल सुविधाओं की व्यवस्था की जा रही है, इन विद्यालयों को आसपास के अन्य स्कूलों के लिए मॉडल स्कूल के रूप में विकसित करने का लक्ष्य रखा गया है,जिला प्रशासन का यह निरीक्षण अभियान न केवल व्यवस्थाओं की समीक्षा तक सीमित है,बल्कि इसका उद्देश्य शिक्षा की गुणवत्ता में वास्तविक सुधार लाना और छात्रों को बेहतर सीखने का वातावरण उपलब्ध कराना भी है।

अफवाहों से दूर रहने की अपील

सूरजपुर में पेट्रोल-डीजल और गैस की कोई कमी नहीं

मुख्यमंत्री की समीक्षा बैठक के बाद प्रशासन सतर्क,जमाखोरी-कालाबाजारी पर सख्त कार्रवाई के निर्देश

-संवाददाता-

सरगुजा,28 मार्च 2026 (घटती-घटना)।

जिले में पेट्रोल, डीजल और घरेलू एलपीजी गैस की उपलब्धता को लेकर फैल रही आशंकाओं के बीच जिला प्रशासन ने स्थिति स्पष्ट करते हुए कहा है कि आवश्यक ईंधन और गैस का पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है, नागरिकों से अपील की गई है कि वे किसी भी प्रकार की अफवाहों या दुष्प्रचार से प्रभावित न हों और अनावश्यक रूप से भंडारण से बचें।

राज्य स्तर पर इस मुद्दे की गंभीरता को देखते हुए मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सभी संभागायुक्तों,आईजी,कलेक्टरों और पुलिस अधीक्षकों के साथ विस्तृत समीक्षा बैठक की, बैठक में न केवल ईंधन और गैस आपूर्ति बल्कि परिवहन व्यवस्था,श्रमिक प्रबंधन,उर्वरक उपलब्धता,कानून व्यवस्था और ऊर्जा संरक्षण जैसे विषयों पर भी विस्तार से चर्चा की गई, बैठक के दौरान मुख्यमंत्री ने स्पष्ट निर्देश दिए कि प्रदेश में पेट्रोल, डीजल और घरेलू गैस की आपूर्ति किसी भी स्थिति में बाधित नहीं होनी चाहिए,उन्होंने कहा कि वर्तमान में पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है और आम जनता को घबराने की कोई आवश्यकता नहीं है,साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि अफवाहों के कारण अनावश्यक खरीद और भंडारण की प्रवृत्ति से कृत्रिम संकट पैदा हो सकता है,इसलिए इस पर विशेष ध्यान देने की जरूरत है।

जिले में स्थिति की जानकारी देते हुए कलेक्टर एस जयवर्धन ने बताया कि खाद्य विभाग द्वारा प्रतिदिन ईंधन और गैस के स्टॉक तथा वितरण की निगरानी की जा रही है,गैस एजेंसियों और संबंधित संस्थानों को पारदर्शी और सुचारु वितरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं,उन्होंने यह भी कहा कि अवैध भंडारण और दुरुपयोग को रोकने के लिए नियमित जांच और छापेमारी की जा रही है,प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि जमाखोरी और कालाबाजारी करने वालों के खिलाफ आवश्यक वस्तु अधिनियम के तहत सख्त कार्रवाई की जाएगी,इसके लिए एक टोल फ्री हेल्पलाइन नंबर 1800-233-3663 जारी किया गया है,जहां नागरिक अपनी शिकायत दर्ज करा सकते हैं। प्राप्त शिकायतों के त्वरित निराकरण के निर्देश भी अधिकारियों को दिए गए हैं,एलपीजी उपभोक्ताओं के लिए भी कुछ दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं, नगरीय क्षेत्रों में गैस सिलेंडर की रिफिल बुकिंग के लिए 25 दिन और ग्रामीण क्षेत्रों में 45 दिन का अंतराल निर्धारित किया गया है, ताकि सभी उपभोक्ताओं को समय पर गैस उपलब्ध हो सके, इसके साथ ही व्यावसायिक एलपीजी उपयोग को लेकर भी नियम तय किए गए हैं,अस्पतालों और शैक्षणिक संस्थानों जैसी आवश्यक सेवाओं को प्राथमिकता दी जा रही है,जबकि बिना लाइसेंस 100 किलोग्राम से अधिक गैस भंडारण पर प्रतिबंध लगाया गया है,पुलिस अधीक्षक प्रशांत ठाकुर ने भी स्पष्ट किया कि किसी भी प्रकार की जमाखोरी या कालाबाजारी की सूचना मिलने पर तत्काल कार्रवाई की जाएगी,उन्होंने आम नागरिकों से अपील की कि वे ऐसी किसी भी गतिविधि की जानकारी प्रशासन को दें,ताकि समय रहते कार्रवाई की जा सके,बैठक में यह भी सुनिश्चित किया गया कि जिले में सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था सुचारु रूप से संचालित होती रहे और श्रमिकों को शासन की योजनाओं का लाभ समय पर मिल सके। कृषि क्षेत्र के लिए उर्वरकों की उपलब्धता बनाए रखने और ऊर्जा आपूर्ति को निरंतर बनाए रखने के भी निर्देश दिए गए, जिला प्रशासन ने अंत में नागरिकों से अपील की है कि वे संयम और जिम्मेदारी का परिचय दें, अफवाहों से दूर रहें और आवश्यक वस्तुओं का उपयोग संतुलित तरीके से करें, ताकि सभी को समान रूप से लाभ मिल सके।

CMYK

राजपाल यादव को कर्जे से मुक्त करवाने के लिए एकता कपूर ने उठाया बड़ा कदम

अक्षय कुमार के सामने दिया पूरा पैसा!

एकता कपूर ने हाल ही में राजपाल यादव के सिर से 9 करोड़ का कर्जा उतारने के लिए बे ा कदम उठाया। उन्होंने अक्षय कुमार के शो में जीती हुई पूरी इनाम राशि उन्हें सौंप दी।

राजपाल यादव के लिए बीता महीना काफी मुश्किलों भरा रहा है। साल 2010 के 9 करोड़ रुपये के चेक बाउंस केस में 5 फरवरी 2026 को उन्होंने दिल्ली की तिहाड़ जेल में सरेंडर किया था। हालांकि, 12 दिन जेल में बिताने के बाद उन्हें अपनी भतीजी की शादी में शामिल होने के लिए कोर्ट ने अंतरिम जमानत दे दी थी।

राजपाल यादव की इस मुश्किल घड़ी में सलमान खान से लेकर सोनू सूद तक कई सितारे उनकी मदद के लिए आगे आए थे। अब हाल ही में निर्माता एकता कपूर ने भी उन्हें एक बड़ी धनराशि ऑफर की है।

एकता कपूर ने राजपाल यादव को दिए इतने लाख रुपये

एकता कपूर, राजपाल यादव और वामिका गब्बी हाल ही में अक्षय कुमार के सोनी टीवी के रियलिटी शो व्हील ऑफ फॉर्च्यून में अपनी अपकमिंग हॉरर-कॉमेडी फिल्म भूत बंगला के प्रमोशन के लिए पहुंचे थे। इस दौरान सभी ने मजेदार गेम्स खेले और एकता कपूर ने शो में जीती हुई अपनी पूरी की पूरी इनामी राशि राजपाल यादव को देने का फैसला किया।

समाचार एजेंसी आईएएनएस की एक रिपोर्ट के मुताबिक, एकता कपूर ने व्हील ऑफ फॉर्च्यून में कई कठिन सवालों के जवाब देकर 1 लाख 66 हजार रुपये जीते थे और उन्होंने यह पूरी की पूरी धनराशि मशहूर कॉमेडियन और एक्टर राजपाल यादव को देने का ऐलान कर दिया।

दूसरी पार्टी राजपाल यादव को जेल भेजना चाहती थी

जिन्हें नहीं पता, उन्हें बता दें कि राजपाल यादव ने साल 2012 में रिलीज हुई अपनी फिल्म अता पता लापता बनाने के लिए दिल्ली की मुरली प्रोजेक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड फर्म से 5 करोड़ रुपये का लोन लिया था। इस फिल्म के म्यूजिक लॉन्च पर दिग्गज अभिनेता अमिताभ बच्चन भी पहुंचे थे। राजपाल ने कोर्ट में यह दावा किया था कि दूसरी पार्टी को बदले में अपना पैसा वापस नहीं चाहिए था, उन्हें सिर्फ मुझे जेल भेजना था। राजपाल यादव ने कोर्ट में अपनी बात रखते हुए यह भी कहा था कि जब वह जेल गए थे, तब उन्होंने अपनी सजा पूरी कर ली थी। यह सारा विवाद तभी खत्म हो जाना चाहिए था, क्योंकि उन्होंने कानूनी तौर पर अपनी जिम्मेदारी निभा ली थी। उन्होंने यह भी बताया कि उनकी फिल्म 22 करोड़ रुपये के बजट में बनी थी, न कि 5 करोड़ में, इसलिए उन्हें 17 करोड़ का भारी नुकसान हुआ है। बता दें कि राजपाल यादव के वकील ने उनकी नियमित जमानत के लिए याचिका दायर की थी, हालांकि, कोर्ट ने उन्हें फिलहाल अंतरिम जमानत की ही मंजूरी दी है।

धुरंधर के रहमान डकैत होते आमिर खान,अगर आदित्य धर मान लेते एक्टर की ये एक शर्त? सच आया सामने

आमिर खान को लेकर खबर आ रही थी कि उन्हें धुरंधर में पहले आर माधवन का रोल ऑफर किया गया था लेकिन वह रहमान डकैत बनना चाहते थे।

धुरंधर 2 की सफलता के बीच सोशल मीडिया पर ऐसी चर्चा हो रही है कि आमिर खान भी आदित्य धर की स्पाई थ्रिलर का हिस्सा बनने वाले थे। अभिनेता को एक रोल ऑफर हुआ था, लेकिन उन्हें फिल्म का रहमान डकैत बनना था।

सोशल मीडिया पर चल रही गॉसिप के मुताबिक, आमिर खान को धुरंधर 2 में अजय सान्याल के किरदार के लिए अप्रोच किया गया था जिसे आर माधवन ने निभाया है। फैंस ने यह भी दावा किया कि आमिर को अजय सान्याल यानी अजीत डोभाल से जुड़े कैरेक्टर से ज्यादा रहमान डकैत के रोल में दिलचस्पी थी।

धुरंधर के लिए आमिर खान हुए अप्रोच?

आमिर खान धुरंधर के रहमान डकैत (अक्षय खन्ना) बनना चाहते थे। उनकी बस एक शर्त थी कि फिल्म में राजनीतिक पहलू थोड़ा कम किया जाए। उन्होंने यह भी राय

रखी थी कि राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल पर एक बायोपिक बननी चाहिए।

आमिर खान का धुरंधर 2 से कनेक्शन कितना सच?

अब इन अफवाहों को आमिर खान के क्लोज सोर्स ने खारिज किया है। एक्टर के करीबी सोर्स ने ऐसे दावों को बकवास बताया है। उन्होंने इंस्टैंट बॉलीवुड को बताया कि इस फिल्म को लेकर आमिर खान, डायरेक्टर आदित्य धर या कास्टिंग डायरेक्टर मुकेश छाबड़ा के बीच कोई बातचीत नहीं हुई है।

धुरंधर 2 की सफलता पर क्या बोले आमिर?

हाल ही में इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल ऑफ दिल्ली में आमिर खान ने धुरंधर 2 की सफलता पर रिएक्शन दिया था। एक्टर ने अभी तक यह फिल्म नहीं देखी है। उन्होंने कहा कि उन्हें सिर्फ फिल्म को लेकर तारीफें ही सुनने को मिल रही हैं। उन्होंने फिल्म की टीम को शुभकामनाएं दीं।

धुरंधर 2 का बॉक्स ऑफिस कलेक्शन

आदित्य धर निर्देशित धुरंधर 2 बॉक्स ऑफिस पर कमाई से इतिहास रच रही है। फिल्म ने दुनियाभर में 1100 करोड़ से ऊपर का कारोबार कर लिया है। वहीं भारत में फिल्म का कलेक्शन 700 करोड़ के पार है। धुरंधर ने भी लाइफटाइम वर्ल्डवाइड कलेक्शन 1300 करोड़ के पार किया था।

क्या हुआ तेरा वादा का हैंडसम हंक,हिट होने के बाद हुआ गायब

हिंदी सिनेमा के कई सितारे अपनी दमदार एक्टिंग के दम पर दर्शकों के दिलों में खास जगह बनने में सफल रहे हैं, लेकिन उनमें से कुछ शोहरत हासिल करने के बाद गायब हो गए। हम जिस एक्टर की बात कर रहे हैं, वह फिल्मी परिवार से थे। हालांकि, इस ग्लैमर की दुनिया में उन्होंने अपनी पहचान खुद के दम पर बनाई है, जो इस बात का उदाहरण है कि अपनी कला को साबित करने के लिए किसी सिफारिश की जरूरत नहीं होती।

नेपोटिज्म को लेकर कई बार विवाद देखने को मिला है, लेकिन कुछ स्टार किड्स अपने हुनर के दम पर ही नाम और शोहरत हासिल करते हैं। हालांकि, नेपोटिज्म का चलन कोई नया नहीं है। 1970 और 1980 के दशक में भी अभिनेता और फिल्म निर्माता अक्सर अपने बच्चों को फिल्म इंडस्ट्री में काम करने के लिए प्रोत्साहित करते थे,लेकिन नेपोटिज्म तभी काम करता है जब आपके पास प्रतिभा हो और दर्शकों को आपका काम पसंद आए।

70 के दशक का रॉकस्टार कौन था?

आज हम आपको एक ऐसे ही बेहतरीन अभिनेता के बारे में बताने जा रहे हैं,जो बॉलीवुड के मशहूर परिवार से हैं। हालांकि,उन्होंने अपने काम के दम पर सफलता हासिल की थी,जिसके लिए उन्हें आज भी याद किया जाता है। हम बात कर रहे हैं, सुपरस्टार आमिर खान के कजिन भाई तारिक अली खान की, जिन्हें कभी 1970 के दशक का रॉकस्टार माना जाता था। उन्होंने अमिताभ बच्चन, राजेश खन्ना और धर्मेंद्र जैसे बड़े सितारों के साथ काम किया था। उस समय, जहां इन अभिनेताओं की फिल्में बॉक्स ऑफिस पर हिट हो रही थीं, वहीं तारिक ने भी दर्शकों का दिल जीता और मेकर्स के भी पसंदीदा बन गए।

70 के दशक का रॉकस्टार था ये एक्टर

तारिक अली खान 1970 के दशक में यादों की बारात और हम किसी से कम नहीं जैसी फिल्मों से मशहूर हुए, जिससे उन्हें सुपरस्टार का दर्जा मिला। दिलचस्प बात यह है कि इन दोनों फिल्मों का निर्देशन उनके अंकल नासिर हुसैन ने किया था। अभिनय के अलावा, वह ऋषि कपूर की फिल्म हम किसी से कम नहीं के मशहूर गाने क्या हुआ तेरा वादा में भी नजर आए थे। अपनी जबरदस्त स्क्रीन प्रेजेंस की वजह से तारिक खान को अक्सर याद किया जाता है। कई लोकप्रिय गानों में नजर आने के बाद उन्हें रॉकस्टार का टैग मिला और अपने दौर के सबसे दमदार एक्टर में से एक थे।

खेल समाचार

बुमराह मुंबई इंडियंस टीम से जुड़े

पांच दिनों से बीसीसीआई के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में थे, केकेआर के खिलाफ पहला मैच खेल सकते हैं

मुंबई,28 मार्च 2026। जसप्रीत बुमराह मुंबई इंडियंस टीम से जुड़ गए हैं। खबरों के मुताबिक, वे शुक्रवार शाम टीम होटल पहुंचे। बुमराह रविवार को मुंबई में कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ खेल सकते हैं।

बुमराह पिछले पांच दिनों से बेंगलुरु स्थित बीसीसीआई के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में थे और अपने फिटनेस और वर्कलोड मैनेजमेंट पर काम कर रहे थे।

टीम के दूसरे टॉप विकेट टेकर बुमराह ने 2013 में एमआई के लिए डेब्यू किया था और तब से वे टीम के सबसे अहम गेंदबाजों में शामिल हैं। उन्होंने 148 मैचों में 186 विकेट लिए हैं। वे मुंबई के लिए सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाजों में दूसरे नंबर पर हैं। उन्होंने 2013, 2015, 2017, 2019 और 2020 की खिताबी जीत में बड़ी भूमिका निभाई है।

पिछले सीजन शुरुआती 4 मैचों में नहीं खेले थे

बुमराह पिछले सीजन में शुरुआती चार मैच नहीं खेल पाए थे। टीम उन मुकाबलों में से तीन हार गई थी। हालांकि मुंबई इंडियंस किसी तरह प्लेऑफ में जगह बनाने में सफल रही, लेकिन टीम चौथे स्थान पर ही रह सकी।

विल जैक्स और सैंटनर अब तक नहीं जुड़े

एमआई टीम के विल जैक्स और मिचेल सैंटनर अभी तक स्क्वॉड से नहीं जुड़े हैं। दोनों खिलाड़ी 27 मार्च को हुए जरूरी प्रैक्टिस सेशन में भी नजर नहीं आए। हालांकि, उनकी अनुपस्थिति के पीछे इंटरनेशनल क्रिकेट शेड्यूल और आराम को वजह माना जा रहा है। खासकर सैंटनर हाल ही में साउथ अफ्रीका के खिलाफ न्यूजीलैंड टीम की कप्तानी कर रहे थे और उन्हें सीरीज के बाद ब्रेक दिया गया था।

हेड टु हेड में मुंबई का पलड़ा भारी

मुंबई इंडियंस का कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ रिकॉर्ड काफी मजबूत है। दोनों टीमों के बीच खेले गए 35 मुकाबलों में ख्क्च् ने 24 मैच जीते हैं, जबकि ्यय्क्र को 11 जीत मिली है।

वनडे में अपना बेस्ट प्रदर्शन करेंगे

टी20 सीरीज गंवाने के बावजूद कप्तान लौरा वोल्वार्ट ने जताया भरोसा

क्राइस्टचर्च,28 मार्च 2026। साउथ अफ्रीका महिला क्रिकेट टीम की कप्तान लौरा वोल्वार्ट ने उम्मीद जताई है कि टीम न्यूजीलैंड के खिलाफ होने वाली तीन मैचों की वनडे सीरीज में अपना बेस्ट प्रदर्शन करेगी। साउथ अफ्रीका को न्यूजीलैंड के खिलाफ खेली गई पांच मैचों की टी20 सीरीज में 1-4 से हार का सामना करना पड़ा। साउथ अफ्रीका और न्यूजीलैंड के बीच होने वाली तीन मैचों की वनडे सीरीज को 2029 वर्ल्ड कप के क्वालिफिकेशन के लिहाज से बहुत महत्वपूर्ण माना जा रहा है। रविवार को क्राइस्टचर्च में होने वाले पहले वनडे मुकाबले से पहले लौरा वोल्वार्ट ने टीम की तैयारियों पर भरोसा जताया।

उन्होंने कहा,हमने अपनी पिछली गलतियों पर अच्छे से विचार-विमर्श किया है और कुछ मीटिंग भी की हैं। जाहिर है हम इस वनडे सीरीज में काफी बेहतर प्रदर्शन करना चाहते हैं। यह एक ऐसा फॉर्मेट है जिसमें हमने पिछले कुछ महीनों में लगातार बेहतरीन प्रदर्शन किया है। यही कारण है कि अब हमें यह सोचना होगा कि हमारे लिए क्या चीजें काम आई हैं। खासकर हम यह देखेंगे कि उस वर्ल्ड कप में हमने क्या सही किया था। टी20 में मिली हार के बावजूद, वोल्वार्ट 50 ओवर के फॉर्मेट में अपनी टीम की ताकत पर ही ध्यान केंद्रित कर रही हैं। उन्होंने कहा, शायद टी20 मुकाबलों में हम अपनी योजनाओं को उस तरह से लागू नहीं कर पाए जैसा हम चाहते थे,लेकिन मुझे लगता है कि वनडे मुकाबलों के लिए हमने जो योजनाएं बनाई हैं,वे काफी मजबूत हैं। इसी वजह से मुझे उम्मीद है कि हम इस बार बेहतर प्रदर्शन कर पाएंगे।

नीता अंबानी ने रोहित शर्मा के जिम और फिटनेस रूटीन की सराहना की

मुंबई,28 मार्च 2026। मुंबई इंडियंस की मालकिन नीता अंबानी ने ढ्ढक्क2026 के शुरुआती मैच से पहले रोहित शर्मा के साथ एक बेहद खास और यादगार पल साझा किया। टीम के ट्रेनिंग सेशन के दौरान जब नीता अंबानी खिलाड़ियों से मिलने पहुंचीं, तब रोहित को देखकर उनकी पहली प्रतिक्रिया ने सभी का ध्यान खींच लिया। नीता अंबानी ने रोहित को देखते ही मुस्कुराते हुए कहा कि वह उन्हें पहचान ही नहीं पाईं और अब वह एकदम युवा खिलाड़ी की तरह दिख रहे हैं। उनकी इस बात पर रोहित शर्मा भी हंस पड़े और वहां मौजूद बाकी खिलाड़ी भी इस हल्के-फुल्के माहौल का हिस्सा बन

गए। यह पल सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गया।

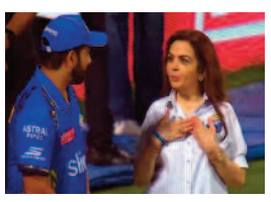

इसी दौरान टीम के पूर्व दिग्गज कीरोन पोलार्ड से भी नीता अंबानी की मुलाकात हुई। उन्होंने अपने परिवार के एक सदस्य को पोलार्ड को 'पोली काका' कहकर बुलाने के लिए कहा, जिस पर पूरा माहौल हंसी से गूंज उठा। यह वीडियो फैंस के बीच काफी पसंद किया जा रहा है। मुंबई इंडियंस इस सीज़न अपने अभियान की शुरुआत 29 मार्च को कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ करेगी। ऐसे में टीम के भीतर सकारात्मक माहौल और खिलाड़ियों का आत्मविश्वास साफ नजर आ रहा है, जो सीज़न की अच्छी शुरुआत के संकेत दे रहा है। रोहित शर्मा का यह नया अवतार उनकी मेहनत का नतीजा है। 2025 में टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद उन्होंने अपनी फिटनेस पर खास ध्यान दिया है। 38 वर्षीय रोहित का लक्ष्य अब 2027 वनडे विश्व कप है, और इसके लिए वह खुद को पूरी तरह तैयार कर रहे हैं। हाल के प्रदर्शन पर नजर डालें तो रोहित ने वनडे क्रिकेट में शानदार फॉर्म दिखाई है।

आरसीबी के दो प्रमुख गेंदबाज बाहर

बेंगलुरु,28 मार्च 2026। गत चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु को आईपीएल 2026 के पहले मुकाबले से ठीक पहले बड़ा झटका लगा है। टीम के श्रीलंकाई तेज गेंदबाज नुवान तुषारा टूर्नामेंट के शुरुआती चरण से बाहर हो गए हैं। उनका बाहर होना टीम की गेंदबाजी योजनाओं पर सीधा असर डाल सकता है। दरअसल, तुषारा श्रीलंका क्रिकेट के फिटनेस टेस्ट में पास नहीं हो सके, जिसके कारण उन्हें श्रीलंका क्रिकेट बोर्ड से अनापत्ति प्रमाण पत्र नहीं मिला। बिना एनओसी के किसी भी खिलाड़ी को विदेशी लीग में खेलने की अनुमति नहीं होती, जिससे उनका आईपीएल खेलना फिलहाल रुक गया है।

आरसीबी के लिए यह परेशानी यहीं खत्म नहीं होती। टीम पहले से ही तेज गेंदबाज यश दयाल की गैरमौजूदगी से जूझ रही है, और अब जोश हेजलवुड के भी शुरुआती मैचों में नहीं खेलने की पुष्टि हो चुकी है। मुख्य कोच एंडी फ्लावर ने साफ कर दिया है कि हेजलवुड सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ पहले मैच में उपलब्ध नहीं रहेंगे। रिपोर्ट्स के मुताबिक, तुषारा फिटनेस टेस्ट में आवश्यक 29 में से न्यूनतम 17 अंक हासिल नहीं कर पाए। हालांकि उन्हें चार से पांच दिन में दोबारा टेस्ट देने का मौका मिलेगा, जिससे उनकी वापसी की उम्मीद अभी पूरी तरह खत्म नहीं हुई है। लेकिन अगर वह दोबारा भी फिटनेस टेस्ट में सफल नहीं होते हैं, तो उन्हें पूरे

आईपीएल 2026 सीजन से बाहर होना पड़ सकता है। यह आरसीबी के लिए एक बड़ा झटका होगा,क्योंकि टीम अपने खिताब बचाने के इरादे से मैदान में उतर रही है। अब ऐसे में सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ पहले मुकाबले में आरसीबी की गेंदबाजी आक्रमण कमजोर नजर आ सकता है। टीम को अपने अन्य गेंदबाजों से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद होगी, ताकि इस शुरुआती चुनौती को पार किया जा सके।

बांग्लादेश में आईपीएल मैच दिखाने पर रोक नहीं

बांग्लादेश के नए सूचना और प्रसारण मंत्री ज़ाहिर उद्दीन स्वपन ने स्पष्ट किया है कि देश में आईपीएल के प्रसारण पर कोई प्रतिबंध नहीं है...

ढाका ,28 मार्च 2026। बांग्लादेश के नए सूचना और प्रसारण मंत्री ज़ाहिर उद्दीन स्वपन ने स्पष्ट किया है कि देश में आईपीएल के प्रसारण पर कोई प्रतिबंध नहीं है। उनके इस बयान ने उन अटकलों पर विराम लगा दिया है, जिनमें कहा जा रहा था कि टूर्नामेंट को बांग्लादेश में नहीं दिखाया जाएगा। सरकार ने साफ किया है कि फिलहाल किसी चैनल को रोका नहीं जा रहा है। इससे पहले, अमीनुल हक ने संकेत दिया था कि पिछली अंतरिम सरकार द्वारा लगाए गए प्रतिबंध की समीक्षा की जा सकती है। उन्होंने कहा था कि इस मुद्दे पर संबंधित अधिकारियों से चर्चा की जाएगी। इससे यह उम्मीद बनी थी कि प्रसारण को लेकर नीति में बदलाव संभव है।

डॉयचे वेले की रिपोर्ट के अनुसार,स्वपन ने कहा कि अभी तक किसी भी चैनल ने आधिकारिक रूप से आईपीएल प्रसारण के लिए आवेदन नहीं किया है। उन्होंने यह भी जोर देकर कहा कि खेल को राजनीति से अलग रखा जाना चाहिए और सरकार इस मामले को पूरी तरह व्यावसायिक नजरिए से देखेगी। जब स्टार स्पोर्ट्स के प्रसारण अधिकारों को लेकर सवाल किया गया, तो मंत्री ने साफ संकेत दिया कि चैनल को अनुमति मिल सकती है। उन्होंने कहा कि यदि स्टार स्पोर्ट्स या कोई अन्य चैनल आवेदन करता है, तो सरकार उस पर सकारात्मक रूप से विचार करेगी और किसी पर कोई प्रतिबंध नहीं लगाया जाएगा। वहीं,बांग्लादेश के केबल ऑपरेटर्स एसोसिएशन के सचिव रेज़ाउल करीम लबलू ने भी पुष्टि की कि उन्हें आईपीएल प्रसारण रोकने के लिए सरकार की ओर से कोई निर्देश नहीं मिला है। उन्होंने कहा कि जब तक सरकार से स्पष्ट आदेश नहीं आता, तब तक स्टार स्पोर्ट्स या अन्य चैनल आईपीएल का प्रसारण जारी रख सकते हैं, जिससे क्रिकेट प्रेमियों के लिए अच्छी खबर सामने आई है।

ज्वेरेव को शिकस्त देकर सिनर ने बनाई फाइनल में जगह

मियामी,28 मार्च 2026। वर्ल्ड नंबर 2 जानिक सिनर ने मियामी ओपन के फाइनल में जगह बना ली है। उन्होंने अलेक्जेंडर ज्वेरेव को 6-3, 7-6(4) से हराकर फाइनल में जगह बनाई। इस जीत के साथ, सिनर ने एटीपी मास्टर्स 1000 टूर्नामेंट्स में लगातार 32 सेट जीतने का रिकॉर्ड भी बना लिया। इसी के साथ वह लगातार दूसरे खिताब की ओर बढ़ गए हैं। सिनर ने कुछ दिन पहले इंडियन वेल्स का अपना पहला खिताब जीता था। रविवार को होने वाले फाइनल में, इटली के दुनिया के नंबर 2 खिलाड़ी का मुकाबला चेक गणराज्य के जिरी लेहेका से होगा। लेहेका ने आर्थर फिल्स को 6-2, 6-2 से हराकर अपने करियर के पहले मास्टर्स 1000 फाइनल में जगह बनाई है।

धोनी की चोट के बाद अश्विन ने चुनी सीएसके की प्लेइंग इलेवन

नई दिल्ली,28 मार्च 2026। चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के दिग्गज खिलाड़ी महेंद्र सिंह धोनी इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 के शुरुआती 2 हफ्तों से बाहर हो गए हैं। इस बीच पूर्व भारतीय क्रिकेटर रविचंद्रन अश्विन ने 5 बार की चैंपियन टीम के लिए अपनी सबसे मजबूत प्लेइंग इलेवन चुनी है,जिसमें इम्पैक्ट प्लेयर के विकल्प भी शामिल हैं। आईपीएल 2026 की शुरुआत शनिवार से की गई है। सीएसके 30 मार्च से अपने अभियान की शुरुआत करेगी। फ्रेंचाइजी ने बताया है कि धोनी अभी पिंडली की मांसपेशियों में खिंचाव के लिए रिहैबिलिटेशन से गुजर रहे हैं, जिसके चलते

उनके आईपीएल 2026 के पहले दो हफ्तों से बाहर रहने की आशंका है।

रविचंद्रन अश्विन ने विकेटकीपर के तौर पर संजू सैमसन को चुना है। वह कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ के साथ पारी की शुरुआत भी करेंगे। सीएसके के इस पूर्व खिलो ी ने अगले तीन स्थानों पर तीन आक्रामक बल्लेबाजों को रखा है। इनमें नंबर 3 पर उर्विल पटेल,नंबर 4 पर बल्लेबाज डेवाल्ड ब्रेविस और उसके बाद नंबर 5 पर भारत के टी20 विश्व कप 2026 के ऑलराउंडर शिवम दुबे शामिल हैं। अश्विन ने नंबर 6 की पोजीशन के लिए दो विकल्प दिए हैं। उनकी पहली पसंद सरफराज खान हैं, जबकि दूसरे विकल्प भारत की अंडर 19 विश्व कप विजेता टीम के कप्तान आयुष म्हात्रे हैं। भारत के इस पूर्व स्पिनर ने प्रशांत वीर को नजरअंदाज करते हुए नंबर 7 के स्थान के लिए कार्तिक शर्मा को चुना है।

पश्चिम एशिया की परिस्थितियों पर मुख्यमंत्री साय की उच्चस्तरीय समीक्षा...कमिश्नर ,आईजी और कलेक्टरों को दिए निर्देश

पेट्रोलियम,गैस और उर्वरक की पर्याप्त उपलब्धता,अफवाहों से दूर रहने की अपील

रायपुर,28 मार्च 2026। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने पश्चिम एशिया में उत्पन्न परिस्थितियों के मद्देनज़र आज राजधानी रायपुर स्थित मुख्यमंत्री निवास कार्यालय में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से प्रदेश के सभी संभागायुक्तों, पुलिस महानिरीक्षकों, कलेक्टरों एवं पुलिस अधीक्षकों के साथ एक उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक की। बैठक में पेट्रोलियम उत्पादों,एलपीजी गैस,उर्वरकों और अन्य आवश्यक वस्तुओं की उपलब्धता एवं आपूर्ति व्यवस्था की व्यापक समीक्षा करते हुए अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दूरदृष्टि और संवेदनशील नेतृत्व के कारण कोविड जैसी चुनौतीपूर्ण स्थिति में भी देश एकजुट रहा और सफलतापूर्वक उसका सामना किया। उन्होंने स्पष्ट किया कि वर्तमान में कोविड जैसी स्थिति नहीं है,लेकिन सतर्क रहना आवश्यक है। प्रदेश में पेट्रोलियम पदार्थों, गैस सिलेंडरों और उर्वरकों की कोई कमी नहीं है, अतः नागरिक किसी भी प्रकार की अफवाहों पर ध्यान न दें। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा पश्चिम एशिया संकट पर सभी राज्यों के साथ विस्तृत चर्चा की गई है और यह आश्वस्त किया गया है कि आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति सुचारू रूप से जारी है। राज्य स्तर पर कंट्रोल रूम की स्थापना की गई है तथा उच्च स्तरीय समिति द्वारा स्थिति की सतत निगरानी की जा रही है। उन्होंने निर्देश दिए कि प्रत्येक जिले में भी कंट्रोल रूम स्थापित किया जाए तथा प्रभारी सचिव और कलेक्टर नियमित समीक्षा करें। अफवाहों और भ्रामक खबरों से बचने के लिए आमजन तक समय पर तथ्यात्मक जानकारी पहुंचाना सुनिश्चित किया जाए। बैठक में जानकारी दी गई कि प्रदेशभर में 335 स्थलों पर छापेमारी की गई, जिसमें कालाबाजारी की कोई पुष्टि नहीं हुई। हालांकि जमाखोरी की सूचना पर कार्रवाई करते हुए 3841 गैस सिलेंडरों को जब्त किया गया तथा 97 एफआईआर दर्ज की गई हैं। मुख्यमंत्री साय ने सीमावर्ती चेक पोस्टों पर विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश दिए। गैस सिलेंडरों एवं पेट्रोल-डीजल वाहनों की आवाजाही पर निगरानी रखने के साथ ही निर्देश दिए गए कि पेट्रोल-डीजल को कंटेनरों में आम जनता को उपलब्ध न कराया जाए। केवल अधिकृत मोबाइल टावर एवं जेनसेट संचालित आवश्यक प्रतिष्ठानों को ही कंटेनर में ईंधन उपलब्ध कराया जाए।

उर्वरकों की पर्याप्त उपलब्धता,किसानों को समय पर मिलेगा खाद

वीडियो कांफ्रेंस के दौरान अधिकारियों ने बताया कि प्रदेश में उर्वरकों की कोई कमी नहीं है। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि उर्वरकों की होल्डिंग पर रोक लगाई जाए और दैनिक स्टॉक की नियमित समीक्षा की जाए। सभी किसानों को उनकी आवश्यकता के अनुसार समान रूप से उर्वरक उपलब्ध कराया जाए।साथ ही खाद वितरण प्रणाली को और अधिक पारदर्शी एवं प्रभावी बनाने के लिए सॉफ्टवेयर आधारित मॉनिटरिंग की जानकारी भी साझा की गई।

कालाबाजारी और जमाखोरी पर सख्त कार्रवाई के निर्देश

मुख्यमंत्री साय ने स्पष्ट निर्देश दिए कि आवश्यक वस्तुओं की कालाबाजारी या जमाखोरी करने वालों पर कड़ी कार्रवाई की जाए। सभी पेट्रोल पंपों और गैस एजेंसियों के भंडारण एवं आपूर्ति की नियमित मॉनिटरिंग सुनिश्चित की जाए। उन्होंने अधिकारियों से टीम भावना के साथ कार्य करते हुए हर परिस्थिति में आमजन तक सेवाओं की निर्बाध उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बैठक में एचपीसीएल,बीपीसीएल और आईओसीएल के अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को अवगत कराया कि प्रदेश में गैस एवं पेट्रोलियम पदार्थों की कोई कमी नहीं है और आपूर्ति नियमित रूप से जारी है। गैस सिलेंडरों की ऑनलाइन बुकिंग सामान्य रूप से संचालित है। उज्ज्वला गैस कनेक्शन के लिए 45 दिन तथा सामान्य गैस कनेक्शन के लिए 25 दिन की समय सीमा निर्धारित है और वर्तमान में उसी अंतराल के अनुसार बुकिंग की जा रही है। पेट्रोलियम पदार्थों के परिवहन में भी किसी प्रकार की बाधा नहीं है और पूरे प्रदेश में स्थिति सामान्य है। मुख्य सचिव विकास शील ने बताया कि वर्तमान परिस्थितियों की सतत निगरानी के लिए राज्य स्तर पर कंट्रोल रूम स्थापित किया गया है। उपभोक्ता घरेलू गैस आपूर्ति से संबंधित समस्याओं, शिकायतों अथवा कालाबाजारी की सूचना 1800-233-3663 पर दे सकते हैं। उन्होंने निर्देश दिए कि उक्त नंबर का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाए ताकि आमजन को सही जानकारी समय पर उपलब्ध हो सके और शिकायतों का त्वरित निराकरण सुनिश्चित किया जा सके। बैठक में निर्देश दिए गए कि गैस, पेट्रोल और डीजल की आपूर्ति से संबंधित समाचारों पर सतत निगरानी रखी जाए।

महत्वपूर्ण संस्थानों में गैस आपूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश

मुख्यमंत्री साय ने अस्पतालों,छात्रावासों,शैक्षणिक संस्थानों,रेलवे,भारत सरकार की संस्थाओं, सैन्य एवं अर्धसैनिक बलों,समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित संस्थानों और एयरपोर्ट कैंटीनों में गैस आपूर्ति निर्बाध बनाए रखने के निर्देश दिए।

'लाल आतंक' को सता रहा 'मौत का खौफ'

तीन नक्सलियों ने थाने पहुंचकर किया आत्मसमर्पण

कांकेर,28 मार्च 2026। छत्तीसगढ़ के कांकेर जिले के नगर पंचायत पखांजूर में आज शनिवार को तीन नक्सलियों ने सरेंडर किया है। यहां के परतापुर थाने इलाके में तीन माओवादियों ने पुलिस के सामने आत्मसमर्पण किया। सरेंडर करने वाले नक्सलियों में संगीता कुंजाम, संजू और लखमू शामिल हैं। सूत्रों के मुताबिक,तीनों माओवादी बिना हथियार के थाना पहुंचे और मुख्यधारा में शामिल हुए। हालांकि इस मामले में पुलिस ने कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया है। अधिकारियों ने कहा कि मामले की जांच चल रही है। तीनों नक्सलियों से पूछताछ की जा रही है। जल्द ही आधिकारिक बयान जारी किया जायेगा। बस्तर संभाग में लगातार नक्सली ऑपरेशन से नक्सलियों के पैर उखड़ रहे हैं। अभी हाल ही में डीकेएसजेडसीएम पापा राव समेत 18 नक्सलियों ने सरेंडर किया था। इस दौरान दस लाख रुपये नगद और कई आधुनिक हथियार में

बरामद किये गये थे। दूसरी ओर छत्तीसगढ़ सरकार की नक्सल पुनर्वास नीति से प्रभावित होकर नक्सली मुख्यधारा में शामिल हो रहे हैं। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह और राज्य गृहमंत्री विजय शर्मा ने नक्सलियों ने आग्रह किया है कि वो मुख्यधारा में शामिल हो जायें या जवानों का मुकाबला करने के लिये तैयार रहें।

हथियार छोड़कर मुख्यधारा में शामिल होने का आग्रह : वहीं बस्तर संभाग के आईजी सुंदरराज पी ने नक्सलियों को हथियार छोड़कर मुख्यधारा में शामिल होने का आग्रह किया है। उन्होंने कहा कि जो नक्सली शांतिपूर्ण एवं सम्मानजनक जीवन जीने के लिए आगे आएं,उन्हें पुनर्वास नीति के तहत सभी प्रकार की सहायता दी जाएगी। सरकार की आत्मसमर्पण एवं पुनर्वास नीति से प्रभावित होकर 2700 से अधिक माओवादी मुख्यधारा में शामिल हो चुके हैं। बता दें कि केंद्र सरकार ने 31 मार्च 2026 तक प्रदेश सहित देश को नक्सलमुक्त करने का संकल्प लिया है।

हाईकोर्ट का फैसला....पूर्व डिप्टी सीएम के बेटे-बहू-पोती की हत्या,2 को उम्रकैद,तीन बरी

बिलासपुर, 28 मार्च 2026। अविभाजित मध्यप्रदेश के पूर्व डिप्टी सीएम के बेटे-बहू और पोती की हत्या के 2 आरोपियों को उम्रकैद हुई है। 5 साल बाद हाईकोर्ट ने फैसला सुनाया है। इस मामले में 5 आरोपियों को दोषी ठहराया गया था,कोर्ट ने सबूतों के अभाव में 3 को बाइज्जत बरी कर दिया है। साल 2021 में उनके घर घुस कर परिवार के 3 सदस्यों की धारदार हथियार से हत्या की गई थी। आरोप था कि जमीन विवाद और पैसों के लेन-देन को लेकर परिवार के ही बड़े बेटे,बहू,साले और उसके साथी ने मिलकर इस वारदात को अंजाम दिया था। जांच के बाद आरोपियों में बेटा बहू को संदेह का लाभ मिला,साले और दोस्त को सजा हुई है। कोरबा जिले के उरगा थाना क्षेत्र के भैंसमा गांव में प्यारे लाल कंवर का परिवार रहता था। उनके 2 बेटों में पैसों और जमीन के लेनदेन को लेकर विवाद था। 21 अप्रैल 2021 को छोटे बेटे, उनकी बहू और 4 साल की पोती की हत्या हुई थी। हत्यारों ने तीनों के चेहरे, सिर,गर्दन,मुंह,नाक,कान,पैर पर धारदार हथियार से कई बार हमला किया था। जांच में सामने आया था कि बड़े भाई हरभजन के साले और उसके साथी ने घर घुसकर धारदार हथियार से वारदात को अंजाम दिया था। पुलिस ने इस मामले में 5 आरोपियों को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया। अब हाईकोर्ट ने अपने फैसले में दो आरोपियों की सजा को सही ठहराते हुए उम्रकैद बरकरार रखी,जबकि तीन आरोपियों को संदेह का लाभ देते हुए बरी कर दिया। इस फैसले के बाद यह मामला एक बार फिर चर्चा में आ गया है।

निचली अदालत ने सुनाई थी उम्रकैद

तृतीय अपर सत्र न्यायाधीश सुनील कुमार नंदेश्वर की अदालत में सरकारी अभिभाषक कृष्णा द्विवेदी ने सभी ठोस साक्ष्य प्रस्तुत किए। इन साक्ष्यों के आधार पर कोर्ट ने एक महिला और चार पुरुष सहित कुल पांच आरोपियों को दोषी करार देते हुए उम्रकैद की सजा सुनाई थी। जिसके बाद आरोपियों ने हाईकोर्ट में फैसले को चुनौती दी।

2 आरोपियों को उम्रकैद, 3 बरी

एडवोकेट राजीव कुमार दूबे ने जानकारी दी कि आरोपियों में हरभजन सिंह कुंवर, उनकी पत्नी धनकुवंर,साला परमेश्वर, दोस्त राम प्रसाद मान्वेवर,सुरेंद कुमार कंवर कुल 5 लोग आरोपी बनाए गए थे। परमेश्वर और रामप्रसाद मन्नेवार को उम्रकैद हुई है,अन्य 3 लोग बरी कर दिए गए हैं। अविभाजित मध्यप्रदेश में आदिवासी नेतृत्व का प्रमुख चेहरा स्वर्गीय प्यारेलाल कंवर थे। कांग्रेस नेता प्यारेलाल कंवर कोरबा जिले की रामपुर विधानसभा का प्रतिनिधित्व करते रहे। इस विधानसभा से वे और भारतीय जनता पार्टी के ननकीराम कंवर परंपरागत प्रतिद्वंदी रहे।

महावीर जयंती पर रायपुर में मांस-मटन की बिक्री पर रोक

31 मार्च को दुकानें और बूचड़खाने रहेंगे बंद, होटल में बिक्री पर होगी जब्ती और कार्रवाई

रायपुर,28 मार्च 2026। महावीर जयंती के अवसर पर 31 मार्च 2026 को रायपुर नगर निगम क्षेत्र में मांस-मटन की बिक्री पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगी। महापौर मीनल चौबे के निर्देश पर निगम के स्वास्थ्य विभाग ने इस संबंध में आदेश जारी कर दिया है। आदेश के मुताबिक, नगर निगम क्षेत्र के सभी

बूचड़खाने और मांस-मटन की दुकानें उस दिन बंद रहेंगी। यह निर्णय छत्तीसगढ़ शासन के नगरीय प्रशासन विभाग के निर्देशों के तहत लिया गया है। स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. तृप्ति पाणीग्रही ने सभी जोन अधिकारियों को सख्ती से पालन सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए हैं। निगम की टीम पूरे शहर में निगरानी करेगी। जोन स्वास्थ्य अधिकारी और स्वच्छता निरीक्षक अपने-अपने क्षेत्रों में लगातार निरीक्षण कर यह सुनिश्चित करेंगे कि कहीं भी मांस-मटन की बिक्री न हो। निगम प्रशासन ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि यदि कोई होटल, ढाबा या रेस्टोरेंट इस दिन मांस-मटन बेचते पाया गया, तो उसके खिलाफ जब्ती की कार्रवाई के साथ कड़ी कानूनी कार्रवाई भी की जाएगी।

एंबुलेंस से गांजे की अंतर्राज्यीय तस्करी

महाराष्ट्र में ओडिशा का गांजा खपाने की साजिश नाकाम,दो आरोपी गिरफ्तार

महासमुंद,28 मार्च 2026। छत्तीसगढ़ के महासमुंद जिले में एंबुलेंस से गांजा तस्करी का पर्दाफाश हुआ है। उड़ीसा से एंबुलेंस में महाराष्ट्र गांजा तस्करी करते दो आरोपियों को गिरफ्तार

किया गया है। दोनों आरोपी महाराष्ट्र के रहने वाले हैं। आरोपियों से 20 किलो गांजा बरामद किया गया है, जिसका मूल्य लगभग 10 लाख रुपए आंकी गई है। मामला खल्लारी थाना क्षेत्र का है। जानकारी के मुताबिक, पुलिस टीम को मुखबिर से सूचना मिली थी कि एक एंबुलेंस में गांजा की तस्करी की जा रही है। सूचना के आधार पर खल्लारी थाना क्षेत्र के ग्राम चरौदा मोड़ के पास नाकाबंदी कर वाहनों की जांच शुरू की गई। कुछ ही देर में संदिग्ध वाहन वहां पहुंचा। जवानों ने वाहन रोककर बोलेरो सवार नागपुर निवासी सलमान खान (26) और शिराज पठान (39) से पूछताछ की। तलाशी के दौरान वाहन के पीछे रखी दो बोरियों की जांच करने पर उसमें रखा 20 किलो गांजा मिला। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि वे उड़ीसा से गांजा लाकर महाराष्ट्र में बेचने की योजना बना रहे थे। पुलिस ने आरोपियों से गांजा के अलावा परिवहन में प्रयुक्त बोलेरो एम्बुलेंस, छह हजार 800 रुपये नगद और दो मोबाइल भी जब्त किए हैं।

छत्तीसगढ़ में दोगुनी हुई गैस सिलेंडर की बुकिंग

रायपुर, 28 मार्च 2026। पश्चिम एशिया संकट के चलते पूरे देश में एलपीजी की किल्लत शुरू हो गई है। छत्तीसगढ़ में भी जगह-जगह से घरेलू गैस सिलेंडर की कमी की तस्वीर सामने आ रही है। लोग परेशान हो रहे हैं और इस पर सियासत भी खूब हो रही है, लेकिन क्राइसिस में लोग अब धड़ल्ले से एलपीजी बुकिंग करा रहे हैं। इसके साथ ही कालबाजारी करने वाले लोग भी सक्रिय हो गए हैं। दरअसल, छत्तीसगढ़ ऑयल कंपनियों की रिपोर्ट बताती है कि छत्तीसगढ़ में घरेलू गैस उपभोक्ताओं की संख्या 66.62

लाख हैं। इनमें से सिर्फ 10 प्रतिशत उपभोक्ता यानी 6.86 लाख उपभोक्ता ही हर महीने एलपीजी सिलेंडर बुक कराते थे। 24.98 लाख यानी 38% उपभोक्ता ऐसे थे जो 1 से 3 महीने में एक सिलेंडर की बुकिंग कराते थे। 19.54 लाख यानी 29% उपभोक्ताओं ने पिछले एक साल कभी भी एक भी सिलेंडर की बुकिंग नहीं कराई।

इसी 66.62 लाख उपभोक्ताओं में से 15.22 लाख यानी 23 प्रतिशत उपभोक्ता ऐसे थे जो 6 महीने में एक सिलेंडर बुक कराते थे। इसी आधार पर पश्चिम एशिया युद्ध शुरू होने से पहले छत्तीसगढ़ में हर दिन सिर्फ 74 हजार गैस सिलेंडर की बुकिंग होती थी, लेकिन जैसे ही युद्ध का संकट शुरू हुआ, एक दिन में गैस सिलेंडर की बुकिंग का आंकड़ा 1.42 लाख सिलेंडर की बुकिंग तक चली गई।

हाईकोर्ट का असिस्टेंट प्रोफेसर की बर्खास्तगी पर बड़ा फैसला,कॉलेज प्रबंधन के आदेश को किया रद्द

बिलासपुर, 28 मार्च 2026। हाईकोर्ट ने डीपी विप्र कॉलेज की असिस्टेंट प्रोफेसर सोनल तिवारी की बर्खास्तगी को अवैध ठहराया है। जस्टिस पार्थ प्रतिम साहू की बेंच ने आदेश दिया कि तिवारी को तुरंत सेवा में बहाल किया जाए। साथ ही असिस्टेंट प्रोफेसर को 2019 से अब तक का पूरा वेतन और सभी लाभ दिए जाएं। सोनल तिवारी को 2018 में तत्कालीन प्रिंसिपल की शिकायत पर निलंबित किया गया था। 14 मई 2019 को कॉलेज की गवर्निंग बॉडी ने उनकी सेवाएं समाप्त कर दीं। तिवारी ने फैसले को यूनिवर्सिटी में चुनौती दी, लेकिन राहत नहीं मिलने पर हाईकोर्ट में याचिका दायर की। हाईकोर्ट ने पाया कि कॉलेज प्रबंधन ने कानूनी प्रक्रियाओं की अनदेखी की। नियमों के अनुसार किसी भी शिक्षक को हटाने से पहले यूनिवर्सिटी की कार्यकारिणी परिषद की मंजूरी जरूरी है, जो इस मामले में नहीं ली गई। कोर्ट ने कॉलेज प्रबंधन का तर्क खारिज किया।

30 मार्च को नक्सलवाद पर लोकसभा में होगी चर्चा

रायपुर,28 मार्च 2026। देश को नक्सलवाद मुक्त होने पर लोकसभा में 30 मार्च को विशेष चर्चा आयोजित की जाएगी। जिसमें केंद्र सरकार के अब तक के प्रयासों,सुरक्षा रणनीति और आगे की कार्ययोजना पर विस्तार से बात होगी। वहीं इस पर सीएम विष्णुदेव साय ने कहा कि, नक्सलमुक्त भारत का संकल्प पूर्ण होने जा रहा है। यह देश के लिए एक ऐतिहासिक क्षण है,जिसको लेकर संसद में चर्चा होगी और केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह देश को विस्तृत जानकारी देंगे। संसद में होने वाली यह चर्चा इसलिए भी महत्वपूर्ण मानी जा रही है क्योंकि केंद्र सरकार ने देश से नक्सलवाद के पूरी तरह खात्मे को अपनी प्रमुख प्राथमिकताओं में शामिल किया है। बहस के दौरान नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में चल रहे ऑपरेशन, सुरक्षा बलों की कार्रवाई, विकास कार्यों की स्थिति और स्थानीय स्तर पर सरकार की योजनाओं के प्रभाव जैसे मुद्दों पर भी चर्चा हो सकती है।

इस विशेष बहस पर राजनीतिक और सुरक्षा हलकों की नजर बनी हुई है। ऐसे में माना जा रहा है कि केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह भी इस विषय पर सरकार का पक्ष रखते हुए विस्तृत जवाब दे सकते हैं। उनके जवाब में केंद्र की भविष्य की रणनीति और नक्सलवाद के खिलाफ निर्णायक अभियान को लेकर बड़ा संदेश सामने आ सकता है।

स्वदेशी अपनाने से मजबूत होगी देश की अर्थव्यवस्था : उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा

रायपुर,28 मार्च 2026। उपमुख्यमंत्री एवं कवर्धा विधायक विजय शर्मा ने कवर्धा के पीजी कॉलेज मैदान में आयोजित भव्य स्वदेशी मेला का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री ने कहा कि स्वदेशी मेला स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देने और लोगों को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा सहित जनप्रतिनिधियों ने स्वदेशी मेला में लगे प्रदर्शनी एवं विक्रय स्टॉलों का अवलोकन किया। इस दौरान उन्होंने विभिन्न स्टॉलों का भ्रमण कर स्थानीय उत्पादों की जानकारी ली और उनके निर्माण एवं विशेषताओं के बारे में विस्तार से जाना। 27 मार्च से 2 अप्रैल तक आयोजित इस मेले में स्वदेशी वस्तुओं के कई स्टॉल लगाए गए हैं, जहां स्थानीय उत्पादों का प्रदर्शन और विक्रय किया जा रहा है। भारतीय विपणन विकास केंद्र स्वदेशी जागरण फाउंडेशन की इकाई द्वारा आयोजित यह मेला स्थानीय प्रतिभाओं और स्वदेशी उत्पादों को मंच प्रदान कर रहा है। उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने कहा कि मेले में लगे सभी स्टॉल भारत में निर्मित उत्पादों के हैं, जो स्वदेशी भावना को मजबूत करते हैं। उन्होंने कहा कि देश की बड़ी जनसंख्या के

अनुसार हमारा बाजार भी बहुत बड़ा है और यदि हम अपने ही बाजार का सही उपयोग करें, तो अपनी आर्थिक स्थिति के साथ-साथ देश की अर्थव्यवस्था को भी मजबूत बना सकते हैं। उन्होंने कहा कि यह कार्य केवल सरकार के माध्यम से नहीं, बल्कि समाज के माध्यम से संभव है। समाज एक बहुत बड़ी ताकत है और यदि समाज के लोगों में स्वदेशी अपनाने का भाव जागृत हो जाए, तो बड़े परिवर्तन संभव हैं। उपमुख्यमंत्री ने जापान जैसे देशों का उदाहरण देते हुए कहा कि वहां के लोग अपने ही देश में निर्मित वस्तुओं का उपयोग करते हैं, जिससे उनकी अर्थव्यवस्था मजबूत होती है। इसी प्रकार हमें भी स्वदेशी को अपनाते हुए देश में निर्मित उत्पादों का अधिक से अधिक उपयोग करना चाहिए। उपमुख्यमंत्री शर्मा ने कहा कि स्वदेशी का अर्थ है कि किसी भी उत्पाद में भारत के नागरिक का श्रम और पसीना शामिल हो। ऐसे आयोजनों से स्वदेशी के प्रति जागरूकता बढ़ती है। कार्यक्रम में पूर्व विधायक डॉ. सियाराम साहू, जिला पंचायत अध्यक्ष ईश्वरी साहू, नितेश अग्रवाल, उपाध्यक्ष कैलाश चंद्रवंशी, नगर पालिका अध्यक्ष चंद्र प्रकाश चंद्रवंशी, पुलिस प्राधिकरण जवाबदेही के सदस्य भगत पटेल, जिला पंचायत सभापति राम कुमार भट्ट, जिला पंचायत सदस्य वीरेंद्र साहू, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष विदेशी राम धुर्वे, मनीराम साहू, मेला प्रमुख मार्गदर्शक सुब्रत चाकी, संयोजक डॉ अतुल जैन, सह संयोजक अमित बरडिया, संदीप अग्रवाल, शेखर बख्सी, राघव साहू सहित अनेक जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफ्सेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050,डॉक रजिस्टर्ड क्र.:-13/सरगुजा/डीएन/2026-2028-मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)